श्रावण कृष्ण - 13 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 11 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 02-08-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पंत और राहुल में से किसी एक को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर चुनना मुश्किल

6 राहुल ही नहीं, कोई भी अपनी जाति बताने में शर्मसार क्यों हो?

7 'छठी मैया की बिटिया' में छह किरदार निभाएंगी सारा खान

फर्स्ट टेक

डीटीडीसी ने शुरू की ड्रोन से कूरियर पहुंचाने की सेवा

नई दिल्ली/भाषा। देश की प्रमुख कूरियर सेवा कंपनी डीटीडीसी एक्सप्रेस लि. ने ड्रोन से कूरियर पहुंचाने की सेवा शुरू की है। कंपनी ने इसके लिए ड्रोन सेवा प्रदाता कंपनी स्काई एयर मोबिलिटी के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने अपने 35वें स्थापना वर्ष के मौके पर ड्रोन से पहली डिलिवरी गुरुग्राम में बिलासपुर से सेक्टर 92 में की। इसके तहत 7.5 किमीमीटर की दूरी को केवल तीन से चार मिनट में तय किया गया। आमतौर पर सड़क मार्ग से कूरियर पहुंचाने में 15 मिनट तक लगते हैं। कंपनी ने कहा कि उसका लक्ष्य सालाना लगभग 15.5 करोड़ पार्सल प्रबंधन को और अधिक प्रभावी व कुशल बनाना है।

लोकसभा में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया जिसमें राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकारों की कार्य क्षमता बढ़ाने तथा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काम करने वाले हितधारकों के बीच और अधिक स्पष्टता लाने का उद्देश्य है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन में उक्त विधेयक पेश किया जिसमें राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति और उच्चस्तरीय समिति जैसे कुछ संस्थानों को वैधानिक दर्जा देने का उद्देश्य भी रखा गया है। इससे पहले विधेयक पुर:स्थापित किये जाने का विरोध करते हुए कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने आरोप लगाया कि इस विधेयक में राज्य सरकार के अधिकारों का अतिक्रमण किया गया है।

'डिजीयात्रा' की सुविधा 12 और हवाई अड्डों पर शुरू होगी : मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश के 12 और हवाई अड्डे 'डिजीयात्रा' सुविधा को लागू करने वाले हैं जो यात्रियों को चेहरे की पहचान प्रणाली के माध्यम से विभिन्न द्वार पर निर्बाध आवाजाही प्रदान करेगी। फिलहाल 'डिजीयात्रा' की सुविधा देश के 15 हवाईअड्डों पर उपलब्ध है। नायडू ने लोकसभा को बताया कि 12 और हवाई अड्डे 'डिजीयात्रा' को लागू करने के लिए तैयार हैं, जबकि 11 हवाई अड्डे इस सुविधा की तैयारी कर रहे हैं। प्रश्नकाल के दौरान पूछे गए पूरक प्रश्नों के उत्तर में मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि 'डिजीयात्रा' ऐप के माध्यम से साझा किया गया यात्री डेटा किसी भी केंद्रीकृत प्रणाली में संग्रहित नहीं होता है। उन्होंने कहा कि सरकार डेटा गोपनीयता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

02-08-2024	03-08-2024
सूर्यास्त 6:35 बजे	सूर्योदय 5:54 बजे

BSE	NSE
81,867.55 (+126.20)	25,010.90 (+59.75)

सोना	चांदी
7,112 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	89,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भारत नीति

हम नहीं समर्थक हिंसा के,
आदर्श हमारे रहे बुद्ध।
हैं विश्व शांति के हम प्रहरी,
मन वचन कर्म से सदा शुद्ध।
जो मानवता पर घात करे,
उन दुष्टों पर ही हुए क्रुद्ध।
योद्धा हैं सबल शक्ति से युत,
पर नहीं चाहते कभी युद्ध।।

हम विकास का समर्थन करते हैं, विस्तारवाद का नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ **मोदी और वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए छह समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए तथा तीन अन्य दस्तावेजों को अंतिम रूप दिया।**

नई दिल्ली/भाषा। भारत और वियतनाम ने अपने रणनीतिक संबंधों को विस्तार देने के लिए बृहस्पतिवार को एक कार्ययोजना को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नियम आधारित हिंद-प्रशांत के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया और इस बात पर जोर दिया कि भारत विकास का समर्थन करता है, विस्तारवाद का नहीं। यह टिप्पणी क्षेत्र में चीन के सैन्य रुख के प्रति चिंताओं के बीच आयी है।

मोदी और वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह के बीच व्यापक वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए छह समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए तथा तीन अन्य दस्तावेजों को अंतिम रूप दिया।

यह भी निर्णय लिया गया कि भारत वियतनाम को 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा प्रदान करेगा, ताकि दक्षिण-पूर्व एशियाई देश की समुद्री सुरक्षा को मजबूत किया जा सके। डिजिटल भुगतान कनेक्टिविटी शुरू करने के लिए दोनों देशों के केंद्रीय बैंकों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा, हमारी 'एक्ट ईस्ट' नीति और हमारी हिंद-प्रशांत दृष्टि में वियतनाम हमारा महत्वपूर्ण साझेदार है... हम विस्तारवाद का नहीं, विकासवाद का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, हम एक स्वतंत्र, खुले, नियम-आधारित और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए अपना सहयोग जारी रखेंगे। मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों ने आतंकवाद और साइबर सुरक्षा मुद्दों से निपटने के लिए सहयोग को मजबूत करने का फैसला किया है।

वायनाड भूस्खलन राष्ट्रीय आपदा है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन में अपने परिजनों और घरों को खोने वाले लोगों को देखकर बहुत दुख हुआ। उन्होंने इसे ''राष्ट्रीय आपदा'' करार दिया। वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने कहा कि यह ''वायनाड, केरल और देश के लिए भयावह त्रासदी है।'' उन्होंने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा, ''मेरे लिए तो यह निश्चित रूप से एक राष्ट्रीय आपदा है, लेकिन देखते हैं कि सरकार क्या कहती है।''

राहुल गांधी और उनकी बहन एवं पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र चूरलमाला का दौरा किया।

गांधी ने कहा, ''हम यहां स्थिति देखने आए हैं। यह देखना काफी दर्दनाक है कि लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों और घरों को खो दिया है। इन परिस्थितियों में लोगों से बात करना बहुत मुश्किल है क्योंकि वास्तव में आपको पता नहीं होता कि उनसे क्या कहना है।'' उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए काफी मुश्किल दिन रहा है, लेकिन हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि बचे लोगों को उनका हक मिले।''

वाद्रा ने भी ऐसी ही बातें कहीं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों का दर्द अकल्पनीय है। उन्होंने कहा, ''हम उनकी मदद करने और यथासंभव उनका साथ तथा सांत्वना देने के लिए यहां आए हैं।''

दोनों भाई-बहन यहां चूरलमाला क्षेत्र और मेप्पाडी स्थित एक अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा दो राहत शिविरों का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे।

अतीक अहमद की हत्या पूर्व नियोजित साजिश नहीं : न्यायिक आयोग

लखनऊ/भाषा। गैंगस्टर-राजनेता अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस हिरासत में हत्या की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग ने पूर्व नियोजित साजिश या पुलिस की लापरवाही की संभावना से इनकार किया है। आयोग की रिपोर्ट शुक्रवार को मानसून सत्र के आखिरी दिन उप्र विधानसभा में पेश की गई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) अरविंद कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय आयोग को 15 अप्रैल 2023 को अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या की जांच करने का काम सौंपा गया था। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला, 15 अप्रैल, 2023 की घटना जिसमें प्रयागराज के शाहगंज थाना अंतर्गत उमेश पाल हत्याकांड के सिलसिले में पुलिस हिरासत में लिए गए आरोपी अतीक अहमद और उसके भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ की तीन अज्ञात हमलावरों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, उसे राज्य पुलिस द्वारा अंजाम दी गई पूर्व नियोजित साजिश का नतीजा नहीं कहा जा सकता। आयोग ने पुलिस को क्लीन चिट देते हुए अपनी रिपोर्ट में कहा, 15 अप्रैल 2023 की घटना, जिसमें आरोपी अतीक अहमद और उसके भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ को अज्ञात हमलावरों ने मार डाला, पुलिस की लापरवाही का नतीजा नहीं थी और न ही उनके लिए घटना को टालना संभव था।

उच्चतम न्यायालय ने आरक्षण पर कहा

अनुसूचित जातियों का उप-वर्गीकरण मात्रात्मक आंकड़ों पर आधारित होना चाहिए

▪ **शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्यों को कोटा के भीतर कोटा देने के लिए अनुसूचित जातियों (एससी) का उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को राज्यों को एक तरह से आगाह करते हुए कहा कि वे आरक्षित श्रेणी में कोटा देने के लिए अनुसूचित जातियों का उप-वर्गीकरण कर सकते हैं, लेकिन यह पिछड़ेपन और नौकरियों में प्रतिनिधित्व के ''मात्रात्मक एवं प्रदर्शन योग्य आंकड़ों'' के आधार पर होना चाहिए, न कि ''मर्जी'' और ''राजनीतिक लाभ'' के आधार पर।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने ये टिप्पणियां अपने 140 पन्ने के बहुमत के फैसले में कीं। इस फैसले में शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्यों को कोटा के भीतर कोटा देने के लिए अनुसूचित जातियों (एससी) का उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, क्योंकि वे सामाजिक रूप से विषम वर्ग हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्यों द्वारा अनुसूचित जातियों के किए गए उप-वर्गीकरण को ''संवैधानिकता के आधार पर चुनौती दिए जाने की स्थिति में न्यायिक समीक्षा की जा सकती है।''

शीर्ष अदालत ने कहा, ''जहां कार्रवाई को चुनौती दी जाती है, वहां राज्य को अपनी कार्रवाई के आधार को उचित ठहराना होगा। उप-वर्गीकरण का आधार और जिस मॉडल का पालन किया गया है, उसे राज्य द्वारा एकत्र किए गए प्रयोगसिद्ध आंकड़ों के आधार पर उचित ठहराना होगा।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''दूसरे शब्दों में राज्य उप-वर्गीकरण की प्रक्रिया शुरू कर सकता है लेकिन उसे यह राज्य की सेवाओं में पिछड़ेपन और प्रतिनिधित्व के स्तर से संबंधित मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य आंकड़ों के आधार पर करना चाहिए। दूसरे शब्दों में, यह केवल मर्जी या राजनीतिक लाभ के आधार पर नहीं किया जा सकता। राज्य का निर्णय न्यायिक समीक्षा के अधीन है...।'' उन्होंने संभावित तरीकों का सुझाव दिया जो राज्यों द्वारा उप-वर्गीकरण के लिए अपनाए जा सकते हैं। उप-वर्गीकरण की सीमाएं निर्धारित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि उप-वर्गीकृत जातियों के लिए सीट आरक्षित करते समय राज्य दो मॉडल अपना सकते हैं।

▪ **राज्य उप-वर्गीकरण की प्रक्रिया शुरू कर सकता है लेकिन उसे यह राज्य की सेवाओं में पिछड़ेपन और प्रतिनिधित्व के स्तर से संबंधित मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य आंकड़ों के आधार पर करना चाहिए।**

'क्रीमी लेयर' की पहचान कर उन्हें कोटा देने से इनकार करें राज्य : न्यायमूर्ति गवई

नई दिल्ली/भाषा। राज्यों को अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के बीच भी मलाईदार तबके (क्रीमी लेयर) की पहचान करने और उन्हें आरक्षण का लाभ देने से इनकार करने के लिए एक नीति विकसित करनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। न्यायमूर्ति गवई ने एक अलग लेकिन सहमति वाला फैसला लिखा, जिसमें उच्चतम न्यायालय ने बहुमत के फैसले से कहा कि राज्यों को अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का उप-वर्गीकरण करने का अधिकार है, ताकि अधिक वंचित जातियों के लोगों के उत्थान के लिए आरक्षित श्रेणी के भीतर कोटा प्रदान किया जा सके।

कृष्ण जन्मभूमि एवं शाही ईदगाह विवाद मामला सुनवाई योग्य: इलाहाबाद उच्च न्यायालय

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा स्थित श्री कृष्ण जन्मभूमि एवं शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में बृहस्पतिवार को कहा कि यह वाद सुनवाई योग्य है। अदालत ने इस वाद में मुद्दे तय करने के लिए 12 अगस्त की तिथि निर्धारित की। वाद की पोषणीयता को लेकर मुस्लिम पक्ष की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने मुकदमे की पोषणीयता के संबंध में मुस्लिम पक्ष की दलीलें खारिज कर दीं। उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने न्यायालय परिसर के बाहर संवाददाताओं से कहा कि इन वादों की पोषणीयता को चुनौती देते हुए मुस्लिम पक्ष की ओर से जो भी दलीलें दी गई थीं, वे अदालत द्वारा खारिज कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि इस निर्णय के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय सभी 18 मामलों पर सुनवाई जारी रखेगा। हिंदू पक्ष के वकील ने कहा, अब हम उच्चतम न्यायालय जाकर माननीय अदालत से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सर्वेक्षण के आदेश पर लगी रोक हटाने की मांग करेंगे। हम आज के निर्णय के संबंध में उच्चतम न्यायालय में एक कैविएट भी दाखिल करेंगे।

कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ कल से मैसूर चलो पदयात्रा : विजयेंद्र

▪ **एचडी कुमारस्वामी, बीएस येडीयुरप्पा पद यात्रा का संचालन करेंगे**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि बीजेपी-जेडीएस मिलकर 3 तारीख से मैसूरु चलो पदयात्रा निकालेगी। आज दिल्ली में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें दोनों पार्टियों के सांसद और विधायक हिस्सा लेंगे। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, वरिष्ठ बीएस येडीयुरप्पा ने कहा कि वे पदयात्रा का शुभारंभ करेंगे। यह पदयात्रा कर्नाटक में भ्रष्ट और बदनाम कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक जनांदोलन होगा। उन्होंने कहा कि वह इसे तार्किक निष्कर्ष तक ले जायेंगे। वाल्मिकी निगम घोटाले और मुदा घोटाले के खिलाफ सदन में बीजेपी और जेडीएस ने मिलकर लड़ाई लड़ी। सत्र समाप्ति के बाद भी यह संघर्ष जारी रखने का निर्णय लिया गया। हमारे राष्ट्रीय सचिव राधामोहनदास अग्रवाल, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी और हम सभी ने बैठकर चर्चा की। सब कुछ तय हो गया है। उन्होंने घोषणा की कि यह पदयात्रा शनिवार को सुबह 8.30 बजे नाइस रोड जंक्शन से शुरू होगी। उन्होंने बताया कि अहिंदा के नाम पर सत्ता में आई सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार को लेकर कर्नाटक ही नहीं पूरे देश में चर्चा हो रही है। वाल्मिकी विकास निगम के 187 करोड़ रु. उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने घोटाले के तहत अनुसूचित जनजातियों का पैसा हड़प लिया। उन्होंने बताया कि इस बात को खुद मुख्यमंत्री ने सदन में स्वीकार किया है। दूसरी ओर, मुदा में मुख्यमंत्री के परिवार के पास अवैध रूप से आए 14 भूखंडों के साथ-साथ कांग्रेस सरकार आने के बाद 4 हजार करोड़ से अधिक मूल्य के हजारों भूखंड जरूरतमंदों को दिए गए।

सरकार लगातार भ्रष्टाचार में लिप्त रही : प्रह्लाद जोशी

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कर्नाटक सरकार लगातार भ्रष्टाचार में लिप्त है। वाल्मिकी निगम घोटाला हुआ, मुडा घोटाला हुआ और कांग्रेस बेशर्मी से कहती रही कि मुडा में कोई घोटाला नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि कुमारस्वामी के साथ बैठक हुई और उलझन सुलझ गई। तय कार्यक्रम के मुताबिक दोनों दलों के नेतृत्व में यानी एनडीए के नेतृत्व में मार्च निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि पदयात्रा में दोनों दलों के नेता और कार्यकर्ता भाग लेंगे।

कुसाले ने भारत को 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में पहला ओलंपिक कांस्य दिलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शेटराउ/भाषा। पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी रेंज से भारत के पदकों की हैट्रिक पूरी हो गई जब स्वप्निल कुसाले ने ओलंपिक में 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में देश के लिये पहला कांस्य पदक जीता हालांकि महिला वर्ग में अंजुम मौदगिल और सिफत कौर फाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकीं।

क्वालीफिकेशन में सातवें नंबर पर रहे स्वप्निल ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 451.4 स्कोर करके तीसरा स्थान हासिल किया। एक समय वह छठे स्थान पर थे जिसके बाद उन्होंने तीसरा स्थान हासिल किया।

भारत का इन खेलों में यह तीसरा कांस्य है। इससे पहले मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में कांस्य जीता था।

भारत के ओलंपिक इतिहास में पहली बार निशानेबाजों ने तीन पदक एक ही खेलों में जीते हैं।

कुसाले ने पदक जीतने के बाद कहा,'' मैंने कुछ खाया नहीं है और पेट में गुड़गुड़ हो रही थी। मैने ब्लैक टी पी और यहां आ गया। हर मैच से पहले रात को मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।'' उन्होंने कहा,'' आज दिल बहुत तेजी से धड़क रहा था। मैने श्वास पर नियंत्रण रखा और कुछ अलग करने की कोशिश नहीं की। इस स्तर पर सभी खिलाड़ी एक जैसे होते हैं।''

चीन के लियू युकुन (463.6) ने स्वर्ण और यूक्रेन के सेरही कुलिश (461.3) ने रजत पदक जीता। पिछली बार भारतीय निशानेबाज लंदन ओलंपिक 50 मीटर राइफल में फाइनल में पहुंचा था जब जॉयदीप करमाकर 50 मीटर राइफल प्रोन में चौथे स्थान पर रहे थे।

हमास की सैन्य शाखा के प्रमुख मोहम्मद ज़ेफ़ के मारे जाने की पुष्टि हो गई है : इजराइल

यरूशलम/एपी। इजराइल की सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस बात की पुष्टि हो गई है कि हमास की सैन्य शाखा का प्रमुख मोहम्मद जेफ़ जुलाई में गाजा में हुए एक हवाई हमले में मारा जा चुका है।

इजराइल ने 13 जुलाई को जेफ़ को निशाना बनाते हुए गाजा के खान यूनिस शहर के बाहरी इलाकों में हमले किए थे, लेकिन जेफ़ की मौत की तत्काल पुष्टि नहीं हो पाई थी।

गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने उस समय कहा था कि हमले में 90 से अधिक लोगों की मौत हुई है, जिनमें आसपास के तंबुओं में रह रहे विस्थापित लोग भी शामिल हैं।

इजराइली सेना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि खुफिया जानकारी के विश्लेषण के बाद इस बात की पुष्टि हो गई है कि मोहम्मद जेफ़ हमले में मारा जा चुका है।

वर्ष 1990 में हमास की सैन्य शाखा कस्साम ब्रिगेड की स्थापना के समय से इसके सदस्य रहे जेफ़ ने दशकों तक इसका नेतृत्व किया। जेफ़ के नेतृत्व में कस्साम ब्रिगेड ने इजराइल के खिलाफ दर्जनों आत्मघाती हमले किए।

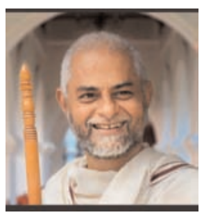

आत्म विकास की दिशा के सूचक है हमारे शास्त्र : आचार्य अरिहंतसागर

बेंगलूरु। स्थानीय सिमंधर शान्तिसूरी जैन संघ, वीवी पुरम के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने गुरुवार को प्रवचन देते हुए कहा कि साक्षात तीर्थंकरों की अनुपस्थिति में उनका उपदेश जिन शास्त्रों में समाया हुआ है, वे शास्त्र भी पवित्र व पूजनीय है क्योंकि वे हमारे लिए आत्म विकास के मार्ग में दिशा सूचक है। जो सिद्धांत प्रत्यक्ष रूप से एवं युक्ति द्वारा साबित होते हो वही शास्त्र कहलाते हैं और सिद्धांतों के चिंतन मनन से ही श्रद्धा दृढ़ बनती जाती है। जैसे-जैसे श्रद्धा मजबूत बनती जाती है वैसे-वैसे साधक को जगत को देखने की सही दृष्टि प्राप्त होती है। प्रवचन के अंत में मीठालाल पावेचा ने कहा कि शुक्रवार को जैनाचार्य श्रीमद् विजय रामचंद्रसूरीश्वरजी की 33वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य मेंसंभवनाथ जैन भवन में शनिवार को सुबह 9बजे गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया है ।

एएफएचक्यू नागरिक सेवा सशस्त्र बलों, सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम कर सकती हैं: राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि सशस्त्र बल मुख्यालय (एएफएचक्यू) नागरिक सेवा सशस्त्र बलों और सरकार को जोड़ने में एक ''महत्वपूर्ण कड़ी'' के रूप में काम कर सकती है। उन्होंने कहा कि इस सेवा को मजबूत करने की जरूरत है।

सशस्त्र बल मुख्यालय (एएफएचक्यू) दिवस पर अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने नागरिक सेवाओं को ''शासन का स्टील फ्रेम'' भी करार दिया। एएफएचक्यू दिवस हर साल एक अगस्त को उन कर्मियों की भूमिका को मान्यता देने के लिए मनाया जाता है जो मुख्य रूप से तीन एकीकृत सेना मुख्यालयों, एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय और रक्षा मंत्रालय के 24 अंतर-सेवा संगठनों में सैन्य कर्मियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इसका उद्देश्य एएफएचक्यू कैडरों के उन नागरिक कर्मचारियों की समूह भावना को बढ़ावा देना है, जो शांति एवं युद्ध, दोनों काल के दौरान सेना मुख्यालय और रक्षा मंत्रालय के बीच एक पुल की भूमिका निभाते हैं।

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में यह भी आग्रह किया कि जो लोग शालीनता और विनम्रता के साथ काम करते हैं, वे जीवन में आगे बढ़ते हैं। उन्होंने आगाह किया कि किसी को अहंकार नहीं रखना चाहिए तथा अन्य लोगों से भी विचार लेने के लिए तैयार रहना चाहिए तथा एक टीम के रूप में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''देश की प्रशासनिक व्यवस्था में नागरिक सेवाओं की भूमिका को देखते हुए अगर नागरिक सेवाओं को प्रशासनिक व्यवस्था का 'स्टील फ्रेम' कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। अगर नागरिक सेवाएं स्टील फ्रेम हैं तो इसका फायदा रक्षा मंत्रालय को एएफएचक्यू सिविल सेवा के रूप में मिलता है।'' उन्होंने कहा, ''आप सशस्त्र बलों और सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। बेहतर दक्षता के लिए अपनी क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने की जरूरत है।'' नई दिल्ली में 83वें एएफएचक्यू नागरिक सेवा दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''कमान मुख्यालय और सेवा मुख्यालय से लेकर रक्षा मंत्रालय तक, सशस्त्र बलों और सिविल सेवाओं को एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है, जो आप कर रहे हैं।'' उन्होंने एएफएचक्यू नागरिक सेवाओं के कर्मियों से आह्वान किया कि वे आज के तेजी से बदलते समय में कुशल नीति निर्माण और कार्यान्वयन तथा रक्षा मंत्रालय में किए जा रहे सुधारों के क्रियान्वयन के लिए अपने कौशल को बढ़ाते रहें।

मुस्लिम समुदाय में डर पैदा मत करिए, यह लंबे समय तक नहीं चलेगा: शिक्षा मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को विपक्ष के कुछ सांसदों के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि मुस्लिम समुदाय में डर पैदा नहीं किया जाना चाहिए और ऐसा लंबे समय तक चलने वाला नहीं है। उन्होंने लोकसभा में शिक्षा मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की अनुपूरक मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यम विद्यालयों में मुस्लिम समुदायों के बच्चों का प्रवेश राष्ट्रीय औसत के करीब है।

प्रधान ने एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के सदन में दिए गए वक्तव्य का हवाला देते हुए कहा, '' मुस्लिम समाज में डर में पैदा मत करो...आपका एक दृष्टिकोण है, आपका चश्मा डराने का है, यह लंबे समय तक चलने वाला नहीं है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णय के कारण अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में पहली बार महिला कुलपति की नियुक्ति हुई है। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में यह भी कहा, ''ओवैसी जी के साथ रहने से थोड़ा अच्छा लगता है।''

प्रधान ने समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन के सदन में दिए गए भाषण की और उनके उठाये गये मुद्दों की तारीफ की।

जम्मू कश्मीर के राजौरी में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़, हथियार व गोला बारूद बरामद

राजौरी/जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर में राजौरी जिले के एक वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने एक गुफानुमा आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ कर हथियार तथा गोला बारूद का जखीरा बरामद किया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि पुलिस, राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कालाकोट में धरमसाल इलाके के गुलाबगढ़ में संयुक्त घेराबंदी की एवं तलाश अभियान चलाया और इस दौरान इस ठिकाने का भंडाफोड़ हुआ। उन्होंने बताया कि संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद बुधवार देर रात को यह तलाश अभियान शुरू किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी ठिकाने से एक एके असॉल्ट राइफल, दो मैगजीन, दो मैगजीन के साथ एक पिस्तौल, दो हथगोले, तीन विस्फोटक पैकेट और लगभग 100 कारतूस और सिगरेट के कई पैकेट बरामद किए गए।

रूसी सैन्य बलों में कार्यरत आठ भारतीयों की मौत : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूसी सशस्त्र बलों में काम करने वाले आठ भारतीयों की मौत हो गई है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा को एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि उपलब्ध जानकारी से संकेत मिलता है कि 12 भारतीय नागरिक पहले ही रूसी सशस्त्र बलों को छोड़ चुके हैं, जबकि अन्य 63 व्यक्ति जल्दी काम छोड़ना चाह रहे हैं।

सिंह ने कहा, ''आठ लोगों के मारे जाने की खबर है और मृतकों की नागरिकता भारतीय के रूप में सत्यापित की गई है।'' उन्होंने कहा कि सरकार को कुछ भारतीय नागरिकों की जल्दी नौकरी छोड़ने में सुगमता के लिए अनुरोध प्राप्त हुए हैं, जिन्हें कथित तौर पर अस्पष्ट परिस्थितियों में रूसी सशस्त्र बलों में भर्ती किया गया था। उन्होंने कहा, ''ऐसे भारतीय नागरिकों की सही संख्या ज्ञात नहीं है।'' सिंह ने कहा, ''वर्तमान में उपलब्ध जानकारी से पता चलता है कि 12 भारतीय नागरिक पहले ही रूसी सशस्त्र बलों को छोड़ चुके हैं, जबकि अन्य 63 व्यक्ति जल्दी काम छोड़ना चाह रहे हैं।'' मंत्री ने कहा कि सरकार ने चार भारतीय नागरिकों के शव भारत लाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। उन्होंने कहा, ''रूस की सरकार ने सूचित किया है कि मृतक व्यक्तियों के परिवारों को उनके द्वारा हस्ताक्षरित अनुबंधों के अनुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा।'' रूसी सशस्त्र बलों में कार्यरत भारतीय नागरिकों को शीघ्र दायित्वमुक्त करने, साथ ही उनकी सुरक्षा और कल्याण का मुद्दा सरकार ने विभिन्न स्तरों पर रूस के संबंधित अधिकारियों के साथ दृढ़ता से उठाया है। जुलाई में रूस की अपनी यात्रा के दौरान, प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूसी सशस्त्र बलों से सभी भारतीय नागरिकों को शीघ्र दायित्वमुक्त किए जाने की तत्काल आवश्यकता को दृढ़ता से दोहराया। जून में, विदेश मंत्रालय ने कहा था कि रूसी सेना में सेवारत भारतीय नागरिकों का मुद्दा ''अत्यंत चिंताजनक'' है और इस पर मास्को को कार्रवाई करना चाहिए।

जुलाई में जीएसटी संग्रह 10.3 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली/भाषा। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जुलाई में 10.3 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

सरकार की तरफ से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में कुल रिफंड 16,283 करोड़ रुपए रहा। इस रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह 14.4 प्रतिशत बढ़कर 1.66 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा।

पिछले महीने में घरेलू गतिविधियों से सकल कर राजस्व 8.9 प्रतिशत बढ़कर 1.34 लाख करोड़ रुपए हो गया। वहीं आयात से प्राप्त जीएसटी राजस्व 14.2 प्रतिशत बढ़कर 48,039 करोड़ रुपए रहा।

इस साल अप्रैल में जीएसटी राजस्व 2.10 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

अदालत ने पूजा खेडकर को अग्रिम जमानत देने से इनकार किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की पूर्व प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर को अग्रिम जमानत देने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया। उन पर धोखाधड़ी करने और गलत तरीके से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) तथा पीडब्ल्यूडी (दिव्यांगजन) कोटा का लाभ उठाने का आरोप है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेंद्र कुमार जंगला ने कहा कि दिल्ली पुलिस को ''यह भी जांच करनी चाहिए कि क्या संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में किसी ने खेडकर की मदद की थी।'' न्यायाधीश ने मामले में जांच का दायरा भी बढ़ाया और दिल्ली पुलिस को यह जांच करने का निर्देश दिया कि क्या अन्य उम्मीदवारों ने बिना पात्रता के ओबीसी और पीडब्ल्यूडी कोटे के तहत लाभ उठाया है। यूपीएससी ने बुधवार को खेडकर की उम्मीदवारी रद्द कर दी और उन्हें भविष्य की परीक्षाओं में हिस्सा लेने से भी रोक दिया। न्यायाधीश ने बुधवार को खेडकर द्वारा दायर अर्जी पर दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था।

नवी मुंबई में सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव के आरोप में पुलिस ने कुल 21 ट्रांसजेंडर पकड़े

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में सार्वजनिक स्थानों पर कथित रूप से उपद्रव मचाने के आरोप में पुलिस ने कुल 21 ट्रांसजेंडर को पकड़ा है। एक पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नवी मुंबई पुलिस के मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ (एएचटीसी) ने यह कार्रवाई की।

पुलिस को स्थानीय लोगों और अन्य नागरिकों से शिकायत मिली थी कई ट्रांसजेंडर राहगीरों को आपत्तिजनक इशारे करने के साथ नवी मुंबई के विभिन्न इलाकों में शांति भंग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एएचटीसी ने तीन टीम गठित कीं और 30 जुलाई को उरण फाटा, जुईनगर और एपीएमसी ट्रक टर्मिनल सहित विभिन्न स्थानों पर एक साथ कार्रवाई करते हुए 21 ट्रांसजेंडर को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि 12 ट्रांसजेंडर को जुईनगर से, छह को एपीएमसी ट्रक टर्मिनल से और तीन को उरण फाटा से पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ सीबीडी, नेरुल और एपीएमसी पुलिस थानों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296 (अश्लील कृत्य या गीत) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

किसानों ने पंजाब और हरियाणा में भाजपा के पुतले फूंके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी समेत किसानों की मांगों के समर्थन में उनके आंदोलन की अगुवाई कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने बृहस्पतिवार को पंजाब और हरियाणा में कई जगहों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी किसानों ने पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू सीमा बिंदु पर भाजपा के पुतले फूंके। उन्होंने अमृतसर, मोगा, कुरुक्षेत्र, अंबाला, सोनीपत और पंचकूला समेत कई जगहों पर पुतले जलाये। किसानों ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे। प्रदर्शनकारियों ने हरियाणा सरकार के हाल के उस फैसले की भी आलोचना की, जिसमें किसानों के 'दिल्ली चलो' कार्यक्रम के तहत उन्हें दिल्ली जाने से रोकने में छह पुलिस अधिकारियों की भूमिका के लिए उन्हें वीरता पदक की सिफारिश की गई है।

हरियाणा सरकार ने हाल ही में केंद्र को भेजी अपनी सिफारिशों में छह पुलिस अधिकारियों के नाम की सिफारिश की थी, जिनमें से तीन आईपीएस और तीन अन्य हरियाणा पुलिस सेवा से हैं, जिन्हें वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने इसे लेकर हरियाणा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, पुलिस अधिकारियों को बल प्रयोग करके किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए पुरस्कृत किया जा रहा है। पंधेर ने कहा कि हरियाणा पुलिस ने फरवरी में दिल्ली की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे किसानों पर आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियां चलाईं। फरवरी में, छह अधिकारियों को शंभू और खनौरी सीमाओं पर किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान तैनात किया गया था, जहां सुरक्षा कर्मियों ने प्रदर्शनकारी किसानों को राष्ट्रीय राजधानी की ओर मार्च करने से रोका था।

बृहस्पतिवार के विरोध प्रदर्शन के दौरान किसानों ने केंद्र और हरियाणा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पंधेर ने कहा, जब तक किसानों और मजदूरों की मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारी किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा बिंदुओं पर डटे हुए हैं, जब उनके 'दिल्ली चलो' मार्च को सुरक्षा बलों ने रोक दिया था।

करीब 300 छोटे बैंकों के तकनीकी सिस्टम के साथ दोबारा जुड़ा संपर्क

मुंबई/भाषा। लगभग 300 छोटे बैंकों के ग्राहकों को राहत देते हुए एनपीसीआई ने बृहस्पतिवार को रैनसमवेयर हमले से प्रभावित सी-एज टेक्नोलॉजीज के सिस्टम के साथ संपर्क दोबारा स्थापित कर लिया। इससे खाताधारकों के लिए एटीएम से निकासी या यूपीआई का भुगतान फिर से शुरू हो गया। बैंकों को तकनीकी सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी सी-एज टेक्नोलॉजीज का सिस्टम रैनसमवेयर हमले की जद में आ गया था। इसकी वजह से कुछ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों के ग्राहक सोमवार से ही एनईएफटी या यूपीआई के जरिये पैसे नहीं भेज पा रहे थे। उन्हें एटीएम से पैसे निकालने में भी दिक्कतें पेश आ रही थीं।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने जारी बयान में कहा कि एक स्वतंत्र फॉरेंसिक ऑडिट फर्म की सुरक्षा समीक्षा के बाद संपर्क दोबारा बहाल कर दिया गया है। इसके साथ ही सी-एज सिस्टम पर निर्भर सेवाएं भी दोबारा शुरू हो गई हैं। एनपीसीआई के मुताबिक, ''जांच से पुष्टि होती है कि रैनसमवेयर के प्रसार को रोकने के लिए सी-एज ने प्रभावित सिस्टम को अलग हटा दिया है।'' एनपीसीआई ने कहा कि साइबर हमले का प्रभाव सी-एज सिस्टम तक ही सीमित था और इसकी चपेट में किसी सहकारी बैंक या क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का बुनियादी ढांचा नहीं आया। रैनसमवेयर ने एसबीआई और टीसीएस के संयुक्त उद्यम सी-एज टेक्नोलॉजीज के सिस्टम में सेंध लगाई थी। लेकिन एनपीसीआई ने सिस्टम को बाकी भुगतान नेटवर्क से अलग कर दिया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समस्या नेटवर्क के अन्य हिस्सों में न फैले।

शिंदे ने फडणवीस को चुनौती को लेकर उद्धव पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी)प्रमुख उद्धव ठाकरे पर बृहस्पतिवार को निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग दूसरों को चुनौती देने की बात कर रहे हैं, उन्हें यह पता करना चाहिए कि क्या उनमें ऐसा करने की ताकत है। ठाकरे ने बुधवार को फडणवीस को चुनौती देते हुए कहा, ''या तो आप वहां होंगे, या मैं।''

ठाकरे ने कहा, ''अनिल देशमुख ने हाल ही में कहा था कि कैसे फडणवीस ने मुझे और (उद्धव के बेटे) आदित्य को सलाखों के पीछे डालने की योजना बनायी थी। सब कुछ सहन करने के बाद, अब मैं दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा हूं। या तो आप वहां होंगे, या मैं रहूंगा।'' ठाकरे ने यह बात कहकर संकेत दिया कि दो पूर्व अच्छे मित्रों के बीच संबंध कितने कटु हो गए हैं। शिंदे ने कहा कि राजनीति में किसी को भी दूसरों को पूरी तरह से खत्म करने की बात नहीं करनी चाहिए। शिंदे ने कहा, जो लोग चुनौती देने की बात करते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि हम कहां खड़े हैं। इसके लिए किसी व्यक्ति को ताकत की जरूरत होती है। बेतरतीब टिप्पणी करने की तरह, कोई भी दूसरे को खत्म नहीं कर सकता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने नागपुर में संवाददाताओं से कहा कि ठाकरे की भाषा उनके मानसिक दिवालियापन को दर्शाती है। बावनकुले ने कहा, ठाकरे कोंकण और मुंबई में अपनी पार्टी के गिरते मत प्रतिशत को लेकर चिंतित हैं। जिस दिन उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, उनके समर्थकों ने उनका साथ छोड़ दिया।

अदालत ने अवैध रेहड़ी-पटरी वालों को लेकर महाराष्ट्र सरकार को लगाई फटकार

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र सरकार को अनधिकृत रेहड़ी-पटरी वालों के खिलाफ अधिनियम के प्रावधानों को पूरी तरह से लागू करने में विफल रहने और इसके बजाय बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के साथ आरोप-प्रत्यारोप में उलझने के लिए फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि इससे आम नागरिक लगातार परेशान हो रहे हैं। उच्च न्यायालय ने समय-समय पर पारित अपने आदेशों के क्रियान्वयन न होने पर निराशा व्यक्त करते हुए चेतावनी दी कि यदि उसे मजबूर किया गया तो वह अवमानना के प्रावधानों का इस्तेमाल करने से भी पीछे नहीं हटेगा।

न्यायमूर्ति एम.एस.सोनक और न्यायमूर्ति कमल खाता की खंडपीठ ने कहा कि राज्य के अधिकारी 10 साल पहले लागू किए गए 'स्ट्रीट वेंडर्स' अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने में विफल रहे हैं जबकि नागरिकों को महानगर में सार्वजनिक सड़कों पर अनधिकृत रेहड़ी-फटरीवालों के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। पीठ ने कहा कि यह ''दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद'' है कि सरकार ने 2014 में संसद से पारित अधिनियम को लागू नहीं किया, बल्कि असहयोग को लेकर बीएमसी के साथ आरोप-प्रत्यारोप में उलझी हुई है।

भारत में अगस्त और सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना: आईएमडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में अगस्त और सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है, जबकि अगस्त के अंत तक अल-नीना की अनुकूल स्थितियां देखने को मिल सकती हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारत में कृषि के लिए मानसून बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुल खेती योग्य भूमि का 52 प्रतिशत हिस्सा बारिश पर निर्भर है।

आईएमडी ने बताया कि भारत में अगस्त और सितंबर के दौरान 422.8 मिमी की दीर्घावधि औसत का 106 प्रतिशत वर्षा होगी। देश में एक जून से अब तक 453.8 मिमी बारिश हुई है, जबकि सामान्य बारिश 445.8 मिमी होती है। यह सामान्य बारिश से दो प्रतिशत अधिक है क्योंकि जून में सूखा रहने के बाद जुलाई में सामान्य से अधिक बारिश हुई।

आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने ऑनलाइन आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है। पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों, पूर्वी भारत से सटे हिस्से, लद्दाख, सौराष्ट्र और कच्छ तथा मध्य और प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। आईएमडी प्रमुख ने अगस्त-सितंबर में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में कम बारिश होने का अनुमान जताया है। उन्होंने कहा कि देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। महापात्र ने कहा, गंगा के मैदानी इलाकों, मध्य भारत और भारत के दक्षिण-पूर्वी तट के कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान है। भारत में जुलाई में सामान्य से नौ प्रतिशत अधिक बारिश हुई, जबकि मध्य क्षेत्र में 33% अधिक वर्षा हुई। आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि मध्य भारत के हिस्सों में अच्छी बारिश हुई, जिससे कृषि को लाभ हो रहा है।''

मध्य भारत कृषि के लिए मानसून की वर्षा पर बहुत अधिक निर्भर है। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी इलाकों और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में कम बारिश हुई है। हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में 35 से 45% तक कम वर्षा हुई है।

न्यायालय ने स्वाति मालीवाल हमला मामले में बिभव से पूछा, क्या मुख्यमंत्री के घर में 'गुंडा' घुसा था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को फटकार लगाते हुए पूछा, ''क्या इस तरह के गुंडे को मुख्यमंत्री आवास में काम करना चाहिए।'' कुमार ने मई में आप सांसद स्वाति मालीवाल पर कथित रूप से हमला किया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुइयां की पीठ ने कुमार की जमानत याचिका पर सुनवायी बुधवार के लिए सूचीबद्ध की। पीठ ने बिभव कुमार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से कहा कि अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा दर्ज की गई घटना के विवरण से हैरान है।

बिभव कुमार ने मामले में जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 जुलाई के आदेश को चुनौती दी है और दावा किया है कि उसके खिलाफ आरोप झूठे हैं। उसने यह भी कहा है कि जांच पूरी होने के कारण अब उसकी हिरासत की आवश्यकता नहीं है। शीर्ष अदालत ने बिभव कुमार की याचिका पर दिल्ली सरकार को एक नोटिस जारी किया। पीठ ने सिंघवी से पूछा, ''क्या मुख्यमंत्री आवास एक निजी बंगला है? क्या इस तरह के 'गुंडे' को मुख्यमंत्री आवास में काम करना चाहिए?'' सिंघवी ने इस पर कहा कि चोटें गंभीर नहीं थीं और 13 मई की घटना के तीन दिन बाद एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अपनी तीखी टिप्पणियों में, पीठ ने सिंघवी से यह भी पूछा कि राज्यसभा सदस्य मालीवाल का हमले की घटना के दौरान पुलिस हेल्पलाइन पर कॉल करना क्या संकेत देता है। पीठ ने कहा, ''हम हर दिन भाड़े के हत्यारों, हत्यारों, लुटेरों को जमानत देते हैं, लेकिन सवाल यह है कि किस तरह की घटना...।'' पीठ ने कहा कि जिस तरह से यह घटना हुई, उससे वह परेशान है। पीठ ने कहा, ''उसने (बिभव कुमार) ऐसा व्यवहार किया जैसे कोई 'गुंडा' मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में घुस आया हो।''

पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय के समक्ष उसकी पूरी दलील यह थी कि उनके (मालीवाल) आरोप मनगढ़ंत हैं। सिंघवी ने कहा कि घटना के दिन वह पुलिस थाने गई थीं, फिर बिना कुछ कहे वापस आ गईं लेकिन फिर तीन दिन बाद उन्होंने प्राथमिकी दर्ज करायी।

पोस्टमार्टम के लिए आए शवों की हालत देखकर सिहर उठी चिकित्सक ने कहा, मैं भाग जाना चाहती थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल के वायनाड जिले में भीषण भूस्खलन ने ऐसी तबाही मचाई है कि शवों का अंत्यपरीक्षण करने वाले चिकित्सक भी सिहर उठे हैं। स्थानीय अस्पताल में पोस्टमार्टम (अंत्यपरीक्षण) के लिए तैनात एक चिकित्सक ने त्रासदी का दिल दहला देने वाला विवरण पेश करते हुए कहा कि हमारे सामने यह ऐसा दृश्य था जिसे मैं शायद ही जीवन में कभी भूल पाउंगी।

उन्होंने रुंधे गले से कहा, ''मैं तो पोस्टमार्टम करने की आदी हो चुकी हूं, लेकिन यहां ऐसा (दृश्य) था जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।'' एक शव के पोस्टमार्टम के बारे में बताते हुए चिकित्सक ने कहा, ''शव इतनी बुरी तरह कुचला जा चुका था कि मैं दोबारा देखने की हिम्मत नहीं जुटा पायी। ऐसा मैंने पहले कभी नहीं देखा था।'' उन्होंने कहा कि इस भयावह तबाही ने उन्हें अंदर तक हिला दिया है। इस क्षेत्र में वर्षों का अनुभव रखने वाली चिकित्सक ने अपनी पहचान उजागर करने की अनिच्छा जताई।

उन्होंने कहा, ''मैंने अपने करियर में कई शव देखे हैं लेकिन ये (शव) उससे अलग था। (भूस्खलन का) इतना भयंकर असर था कि ऐसा लगा कि उस इंसान को चकनाचूर कर दिया गया हो।'' इस बीच वहां और अधिक शव लाये जाने लगे, जिनमें से अधिकतर बुरी तरह क्षत-विक्षत थे।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, जब मैंने पहला शव देखा तो मैंने खुद से कहा कि मैं यह नहीं कर सकती। यह बुरी तरह कुचला हुआ था और दूसरा शव एक साल के बच्चे का था। मैंने महसूस किया मैं यह (पोस्टमार्टम) नहीं कर पाउंगी और मैं वहां से भागकर किसी ऐसे अस्पताल में चले जाना चाहती थी, जहां हम बच गये लोगों की देखभाल कर सकें। लेकिन उस दिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं था और हमने 18 पोस्टमार्टम किए। जब वह और उनके साथी चिकित्सक पहले दिन आए शवों को संभालने में मुश्किल में पड़े तो राज्य के विभिन्न हिस्सों से कई अपराध विज्ञान चिकित्सक पोस्टमार्टम प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए पहुंचने लगे।

महिला चिकित्सक ने कहा, ''पोस्टमार्टम करने के लिए आठ मेजें थीं और शाम तक हमारे पास इतने अपराध विज्ञान डॉक्टर आ गए कि हर मेज पर एक ऐसा डॉक्टर सर्जन था। शाम साढ़े सात बजे तक हमने 53 पोस्टमार्टम किये।'' अपराध विज्ञान डॉक्टरों की टीम ने आपदा के पहले दिन रात साढ़े 11 बजे तक अपना काम जारी रखा और 93 से अधिक शवों का पोस्टमार्टम पूरा किया। इस व्यवस्था ने कुशलता से कार्य किया और पोस्टमार्टम की प्रक्रियाओं को पूरा करने में विलंब नहीं हुआ।

चिकित्सक ने कहा कि स्थिति बेहद दिल दहला देने वाली थी। हमने इससे पहले ऐसी स्थिति में शव नहीं देखे थे। यहां तक की इस कार्य को अंजाम देने वाले चिकित्सकों के लिए भी ये बेहद कठिन था। भूस्खलन (मलबे) के तीव्र प्रहार ने लोगों को कुचल दिया, उनके टुकड़े-टुकड़े कर दिये। डॉक्टरों को शरीर के अंगों को संभालना पड़ा, कभी-कभी पीड़ितों के केवल आंतरिक अंगों को। शवों की पहचान करने के लिए उन्होंने डीएनए विश्लेषण के लिए इन अंगों के नमूने लिए।

फंसे हुए पीड़ितों को निकालने के लिए भारी मशीनरी की जरूरत : बचावकर्मी

वायनाड। वायनाड जिले के आपदाग्रस्त मुंडक्कई में जारी तलाश अभियान के बीच बचावकर्मियों का कहना है कि भूस्खलन में उखड़े विशाल पेड़ों को हटाने के लिए भारी मशीनरी की जरूरत है। इन पेड़ों के नीचे कई घर दब गए हैं। एक बचावकर्मी ने मीडिया को बताया, हम एक इमारत की छत पर खड़े हैं और नीचे से बदबू आ रही है, जो शवों की मौजूदगी का संकेत है। इमारत कीचड़ और उखड़े हुए पेड़ों से ढकी हुई है। अभियान के लिए खुदाई करने वाली मशीनें उपलब्ध हैं लेकिन वे इस काम के लिए अपर्याप्त हैं। विशाल पेड़ों को हटाने और ढह गई इमारतों में तलाश अभियान चलाने के लिए भारी मशीनरी की जरूरत है। तभी हम तलाश अभियान में प्रगति कर सकते हैं। वायनाड में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 173 तक पहुंच गई है, जबकि 200 से अधिक घायल हुए हैं। अधिकारियों ने मलबे में और शव दबे होने की आशंका जताई है। भारी बारिश के कारण हुए विनाशकारी भूस्खलन ने मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा की बस्तियों को तबाह कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

केरल के लिए नियमित रूप से बारिश संबंधी चेतावनियां जारी की गई थीं : महापात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि विभाग ने देश के पश्चिमी तट पर बारिश संबंधी गतिविधि के बारे में नियमित तौर पर पूर्वानुमान जारी किए थे और 30 जुलाई की सुबह केरल के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया गया था, जिस दिन वायनाड जिले में भूस्खलन होने पर 177 लोगों की मौत हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा था कि केरल सरकार ने वायनाड में भारी बारिश के कारण संभावित प्राकृतिक आपदा के संबंध में केंद्र सरकार की चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया।

मंगलवार (30 जुलाई) की सुबह वायनाड जिले में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 177 लोगों की मौत हो चुकी है। शाह के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बुधवार को कहा था कि आईएमडी ने भूस्खलन से पहले जिले में केवल 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया था। हालांकि, उन्होंने कहा था कि जिले में 572 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई, जो आईएमडी के पूर्वानुमान की तुलना में काफी अधिक थी। आईएमडी प्रमुख ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मौसम विभाग ने 18 जुलाई और 25 जुलाई को आगामी दिनों में भारत के पश्चिमी तट पर महत्वपूर्ण वर्षा संबंधी गतिविधि के बारे में पूर्वानुमान जारी किया था। महापात्रा ने कहा, 25 जुलाई को जारी लंबी अवधि के पूर्वानुमान में 25 जुलाई से 1 अगस्त तक देश के पश्चिमी तट और मध्य भागों में वर्षा संबंधी गतिविधि होने का संकेत दिया गया था। हमने 25 जुलाई को येलो अलर्ट' जारी किया था, जो 29 जुलाई तक जारी रहा, फिर हमने 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया। 30 जुलाई की सुबह 'रेड अलर्ट' जारी किया गया, जो दर्शाता है कि 20 सेंटीमीटर तक बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि केरल में लगातार बारिश हो रही है और भूस्खलन में कुल बारिश' भी एक महत्वपूर्ण कारक है। आईएमडी प्रमुख ने कहा कि ऑरेंज चेतावनी का मतलब है, कार्रवाई के लिए तैयार रहें और रेड अलर्ट का इंतजार न करें।

वायनाड में बचाव अभियान कुछ और दिन तक जारी रहेगा : केरल के मुख्यमंत्री विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित मुंडक्कई क्षेत्र में बचाव अभियान अभी कुछ और दिन तक जारी रहेगा। विजयन ने बचाव प्रयासों के समन्वय के लिए चार मंत्रियों वाली एक मंत्रिमंडीय उपसमिति भी गठित की। चारों मंत्री बचाव अभियान में समन्वय के लिए वायनाड में ही ठहरेंगे। वायनाड में मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन हुआ, जिसके परिणामस्वरूप अब तक 173 लोगों की मौत हो चुकी है। विजयन ने सर्वदलीय बैठक के बाद बचावकर्मियों, खासकर भारतीय सेना के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने (बचावकर्मियों ने) सराहनीय काम किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सेना के जवानों के मुताबिक मलबे से जिन लोगों को बचाया जा सकता था, उन्हें बचा लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, बहुत सारे लोग लापता हैं। हमने क्षेत्र के कई हिस्सों से बहुत सारे शव बरामद किए हैं। बचावकर्मियों ने चालियार नदी से कई शव बरामद किए हैं। कई शवों के अंग भी बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बचाव कार्य में अभी कुछ और दिन लगेंगे। विजयन ने कहा, यह बचाव प्रयास ऐसा नहीं है, जो चंद दिन में पूरा हो जाएगा। अब भी 12 मंत्री वायनाड में डेरा डाले हुए हैं। सर्वदलीय बैठक में अब फैसला लिया गया है कि बचाव अभियान में समन्वय के लिए चार मंत्री यहीं रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व मंत्री के. राजन, वन मंत्री ए के ससींद्रन, पीडब्ल्यूडी एवं पर्यटन मंत्री पीए मोहम्मद रियास और एससी/एसटी विभाग के मंत्री ओआर केलू वायनाड में रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कई लोग अब भी लापता हैं और बड़ी मात्रा में मिट्टी जमा होने के कारण खोज अभियान शुरू करना शुरू में मुश्किल था। विजयन ने कहा, शुरू में, बचाव अभियान के लिए बड़ी मशीनें ले जाना संभव नहीं था। लेकिन अब जब सेना बेली ब्रिज का निर्माण पूरा कर लेगी तो अभियान आसान हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संवाददाताओं सहित वे लोग जो परिवारों से मिलना चाहते हैं, वे शिविरों के बाहर ही रुकें ताकि दूसरों की निजता प्रभावित न हो। विजयन जल्द ही आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने वाले हैं।

मुख्यमंत्री की सहायता अपील के खिलाफ सोशल मीडिया अभियान की जांच शुरू

तिरुवनंतपुरम। केरल पुलिस ने वायनाड जिले में भूस्खलन से प्रभावित लोगों के लिए मदद की अपील करते हुए मुख्यमंत्री पिनराई विजयन द्वारा किए गए एक फेसबुक पोस्ट के खिलाफ कथित सोशल मीडिया अभियान की जांच शुरू की है। 'स्टेट पुलिस मीडिया सेंटर' (एसपीएमसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि वायनाड की साइबर अपराध पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आपदा प्रबंधन अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है और राहत प्रयासों में बाधा डालने के इरादे से कथित तौर पर सोशल मीडिया अभियान चलाने की जांच शुरू की है। एसपीएमसी ने एक बयान जारी कर कहा कि सोशल मीडिया मंच एक्स' पर 'कोयिकोडांस 2.0' नामक उपयोगकर्ता के हैंडल से यह फर्जी अभियान प्रसारित किया गया है। बयान में कहा गया है कि आपदा के समय लोगों को राहत पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री की अपील को अस्वीकार करने के उद्देश्य से यह पोस्ट किया गया है। पुलिस ने उन लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है, जिन्होंने गलत धारणा फैलाने के लिए फर्जी पोस्ट को संपादित कर साझा किया। साइबर पुलिस सोशल मीडिया पर साझा हुए हर पोस्ट पर निगरानी रख रही है। विजयन ने भूस्खलन से प्रभावित लोगों की मदद के लिए सभी से मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) में योगदान देने का आह्वान किया था। वायनाड जिले में मंगलवार को सुबह मूसलाधार बारिश होने से मुंदक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा में भीषण भूस्खलन हो गया, जिससे महिलाओं और बच्चों सहित कई लोगों की मौत हो गई।

स्वास्थ्यकर्मियों पर घायलों के इलाज और पोस्टमार्टम के काम का भारी बोझ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड में चिकित्सक, नर्स और अन्य स्वास्थ्य कर्मी लगातार 24 घंटे कार्य कर रहे हैं। उन पर विनाशकारी घटना में गंभीर रूप से घायल लोगों के इलाज और शवों के पोस्टमार्टम का भारी बोझ है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा, सुबह सात बजे तक कुल 256 पोस्टमॉर्टम किए गए हैं जिनमें शवों के हिस्से भी शामिल हैं। इस प्रकार ये पूरे 256 शव नहीं हैं बल्कि कुछ शवों के अंग भी इसमें शामिल हैं। हमने 154 शव जिला प्रशासन को सौंप दिए हैं। उन्होंने बताया कि मलप्पुरम जिले के पोथुकल क्षेत्र से नदी में बहकर आए शवों के पोस्टमॉर्टम किए गए हैं।

उन्होंने कहा, मेरे विचार से पिछली रात हमने 112 शव परीक्षण किए। मैंने वहां एक स्वास्थ्यकर्मी को देखा, वह रो रही थी। वह पिछले दिन घर नहीं गई थी और यहीं रह रही थी। जॉर्ज ने कहा, मैंने उससे पूछा कि ऐसा क्यों, तो उसने कहा कि वह इस विशेष क्षेत्र की प्रभारी है। उसने कहा, मैं घर नहीं जा सकती, मुझे यहीं रहना है, क्योंकि मेरे लोग आ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में एक अस्थाई अस्पताल स्थापित किया है।

उन्होंने कहा, हमारा निकटतम अस्पताल सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र है, जहां पोस्टमॉर्टम और जांच की सुविधाएं हैं। हमने शव परीक्षण में सहायता के लिए अन्य जिलों से भी टीमें तैनात की हैं। मंत्री ने कहा कि निजी क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भी स्वास्थ्य कर्मियों के साथ टीमें भेजकर योगदान दिया है।

उन्होंने कहा, उन्होंने दवाइयां भी भेजी हैं। कुछ मरीज आईसीयू में और कुछ की हालत गंभीर हैं। हमने एक बच्चे को कोझिकोड के एक उच्च स्तरीय चिकित्सा केंद्र में भर्ती कराया है। आपदा के बाद संक्रामक रोगों के फैलने की आशंका को देखते हुए मंत्री ने कहा कि इनकी रोकथाम के लिए उपाय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नए स्थापित अस्थायी अस्पताल के अलावा जिले भर के विभिन्न सरकारी और निजी अस्पतालों में उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। हमारी टीमें बहुत अच्छी तरह से सहयोग कर रही हैं।

मल्टी स्पेशियलिटी बाल चिकित्सा केन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के एग्मोर में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड हॉस्पिटल फॉर चिल्ड्रन (श्रउक्कउ) के दौरे पर पहुंची प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य सचिव सुप्रिया साहू आईएएस, ने कहा कि इस दौरान डॉक्टरों और पैरामेडिक्स तथा कर्मचारियों की अद्भुत टीम से मिलना अद्भुत अनुभव था। सुप्रिया साहू ने कहा की यह दक्षिण पूर्व एशिया के सबसे बड़े बाल चिकित्सा अस्पतालों में से एक है। 837 बिस्तरों वाला यह मल्टी-स्पेशियलिटी बाल चिकित्सा संस्थान मुख्य रूप से गरीब परिवारों को अत्याधुनिक चिकित्सा सेवा प्रदान करता है। लगभग 2000 बच्चे प्रतिदिन बाह्य रोगी के रूप में देखभाल प्राप्त करते हैं।

समर्पित बाल चिकित्सा और आपातकालीन विभाग नवजात शिशुओं को महत्वपूर्ण देखभाल सुनिश्चित करते हैं। यह दुर्लभ बाल चिकित्सा रोगों, बाल चिकित्सा एचआईवी और आनुवंशिकी में उत्कृष्टता केंद्र के लिए उत्कृष्टता का केंद्र भी है। संस्थान जल्द ही 1.75 करोड़ की लागत से नव निर्मित सुविधा में उन्नत बाल चिकित्सा अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण शुरू करने जा रहा है।

मैट्टूर डैम के गेट खोले गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैट्टूर। गुरुवार को स्टेनली डैम (मैट्टूर डैम) में कर्नाटक से छोड़े गए बाढ़ के पानी के पहुंचने के साथ ही डैम के बाढ़ गेट खोले गए। डैम अपने अधिकतम संग्रह क्षमता पर पहुंच चुका है।

डैम के छोड़े जा रहे कावेरी के पानी के चलते त्रिची और नामाक्कल जिले में बाढ़ जैसे हालात बने हुए है। प्रशासन ने लोगों से कावेरी के तटीय क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी है।

कोट्टैयुर में खुली बैंक ऑफ बड़ौदा की नई शाखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां कोट्टैयुर में बैंक ऑफ बड़ौदा में अपनी नवीनतम शाखा खोलने की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है, जो चेन्नई ग्रामीण क्षेत्र में 69वीं शाखा है।

यह नई शाखा बैंकिंग सेवाओं से वंचित ग्रामीण क्षेत्रों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने, आर्थिक विकास और समावेशिता को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। कोट्टैयुर में स्थित इस शाखा का उद्देश्य स्थानीय समुदाय को बचत और चालू खाते, ऋण, डिजिटल बैंकिंग और अन्य वित्तीय उत्पादों सहित बैंकिंग सेवाओं की पूरी श्रृंखला प्रदान करना है। नई शाखा स्थानीय निवासियों, किसानों और छोटे व्यवसायों को आवश्यक बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए रणनीतिक रूप से स्थित है। शाखा का उद्घाटन चेन्नई क्षेत्र के उप महाप्रबंधक सुरेश गजेंद्रन, चेन्नई ग्रामीण क्षेत्र की एजीएम और क्षेत्रीय प्रमुख लीना गोहेन और बैंक ऑफ बड़ौदा के अन्य अधिकारियों ने किया।

श्रीलंका के नौसैनिक जहाज की टक्कर से भारतीय नौका पलटी, एक मछुआरे की मौत

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना के जहाज की टक्कर से एक भारतीय नौका के समुद्र में पलटने से तमिलनाडु के रामेश्वरम निवासी एक मछुआरे की मौत हो गई और एक अन्य लापता हो गया। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अवैध रूप से ''मछली पकड़ने'' को लेकर श्रीलंकाई नौसेना द्वारा यांत्रिक नौका पर सवार मछुआरों को गिरफ्तार करने की कोशिश किए जाने के दौरान यह नौका पलट गई। अधिकारी ने कहा कि नौका में टक्कर लगने पर उसमें सवार रामेश्वरम के चार मछुआरे समुद्र में गिर गए।

उन्होंने कहा कि घटना में मलयसामी (59) नामक एक मछुआरे की मौत होने तथा एक अन्य के लापता होने की खबर है, जबकि दो लोगों को श्रीलंकाई अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। अधिकारी ने कहा, हम समुद्र में हुई इस घटना के बारे में सूचनाएं जुटा रहे हैं तथा हम राज्य सरकार को विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे।

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मलयसामी की मौत पर दुख प्रकट किया तथा उनके परिवार के लिए 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि घोषित की। मुख्यमंत्री ने यहां एक बयान में कहा, शोकसंतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने मलयसामी के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 10 लाख रुपये दिए जाने का आदेश दिया है। इस बीच, मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि व्यक्तिगत रूप से और पत्रों के माध्यम से केंद्र से कार्रवाई करने का बार-बार अनुरोध किए जाने के बाद भी श्रीलंकाई अधिकारियों के हाथों तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी लगातार जारी है।

स्टालिन ने कहा, यदि दूतावास स्तर पर उपयुक्त कदम उठाए गए होते तो अनेक बहुमूल्य जिंदगियां नहीं

Reserve Bank of India/ भारतीय रिज़र्व बैंक
Estate Department/ संपदा विभाग
Patna/ पटना

अग्रिम निविदा सूचना

भारतीय रिज़र्व बैंक, पटना "दीघा स्टाफ क्वार्टर, आर.बी.आई, पटना में आंतरिक नवीनीकरण/ आधुनिकीकरण और अन्य कार्यों सहित 150 फ्लैटों का विलय करके 75 फ्लैट के निर्माण" कार्य के लिए ठेकेदारों के पैनल में शामिल होने के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। कार्य की अनुमानित लागत रु. 20 करोड़ है और इसे बारह (12) महीनों के भीतर पूरा किया जाना है।

केवल ऐसे ठेकेदार जिनके पास समान कार्य के निष्पादन में कम से कम 7 वर्षों का अनुभव हो और जिन्होंने पिछले 5 वर्षों में कम से कम तीन समान कार्य पूर्ण किए हों, जिनमें से प्रत्येक की लागत अनुमानित लागत के 40% के बराबर राशि से कम न हो या दो समान कार्य पूर्ण किए हों, जिनमें से प्रत्येक की लागत अनुमानित लागत के 50% के बराबर राशि से कम न हो या एक समान कार्य पूर्ण किया हो जिसकी लागत अनुमानित लागत के 80% के बराबर राशि से कम न हो, के लिए निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत किए जाएं, जो भारतीय रिज़र्व बैंक, पटना, संपदा विभाग के कार्यालय से दिनांक अगस्त 23, 2024 को शाम 05:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है या बैंक की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। क्षेत्रीय निदेशक, संपदा विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक, दक्षिणी गांधी मैदान, पटना को संबोधित तथा विधिवत भरे हुए और सीलबंद लिफाफे में बंद आवेदन पत्र उनके कार्यालय में दिनांक अगस्त 23, 2024 को शाम 05:00 बजे तक प्राप्त हो जाने चाहिए। उक्त उल्लिखित कार्य के लिए प्रेस में कोई निविदा सूचना प्रकाशित नहीं की जाएगी और निविदा प्रपत्र चयनित आवेदकों के बीच ही जारी किए जाएंगे।

बैंक के पास किसी भी पक्ष को आवेदन पत्र जारी करने से रोकने या बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी आवेदनों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.rbi.org.in देखें।

क्षेत्रीय निदेशक
(बिहार)

दिनांक: 02/08/2024

जयपुर सहित सात जिलों में बहुत भारी बारिश, बेसमेंट में बारिश का पानी घुसने से तीन लोगों की डूबने से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के विश्वकर्मा थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार सुबह एक मकान के बेसमेंट में बारिश का पानी घुसने से एक नाबालिग समेत तीन लोगों की डूबने से मौत हो गयी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को मृतकों के परिवार को आर्थिक सहायता के निर्देश दिये। अधिकारियों ने बताया कि कई घंटों तक चले बचाव अभियान के बाद शव बरामद किए गए।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि घर के बेसमेंट में पानी घुसने के बाद परिवार के सदस्यों ने अपना सामान निकालना शुरू कर दिया। इस दौरान दो परिवारों के तीन लोग बेसमेंट में पानी भर जाने के कारण फंस गए। अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान शुरू किया गया और बारिश के पानी को बाहर निकालने के लिए मड पंप लगाए गए।

उन्होंने बताया कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की एक टीम द्वारा कमल शाह (23), पूजा सैनी (19) और उसकी रिश्तेदार पूर्वी सैनी (6) के शव बरामद करने के बाद अभियान समाप्त हो गया। ये सभी बिहार के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि घर के बेसमेंट तक जाने वाला रास्ता संकरा और गहरा था। इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को प्रत्येक मृतक के परिवार को पांच-पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। राज्य आपदा राहत कोष से चार लाख रुपए तथा मुख्यमंत्री राहत कोष से एक लाख रुपए देने की स्वीकृति दी गई है।

दूसरी ओर, क्षेत्र में ऐसे ही घरों के निवासियों को सलाह दी गई है कि वे बारिश के दौरान अपने बेसमेंट में न रहें। पुलिस ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। बुधवार रात से शुरू हुई भारी बारिश के कारण जयपुर शहर के अधिकांश इलाकों में जलभराव हो गया, जो सुबह तक जारी रहा।

जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, जयपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, अलवर, चूरू, भरतपुर, टोंक, सीकर, हनुमानगढ़, धौलपुर, नागौर और झुंझुनू में बृहस्पतिवार सुबह 8.30 बजे तक पिछले 24 घंटों में भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि इस अवधि में जयपुर में सबसे अधिक 173 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राजधानी के कई हिस्सों में सड़कों और रिहायशी इलाकों में बारिश का पानी जमा हो गया, जिससे आवागमन में काफी दिक्कतें हुईं। जयपुर हवाईअड्डा टर्मिनल भवन के बाहर भी बारिश का पानी जमा हो गया। जयपुर के जिलाधिकारी प्रकाश राज पुरोहित ने विश्वकर्मा क्षेत्र, सीकर रोड और जयपुर हवाईअड्डा जैसे बारिश प्रभावित इलाकों का दौरा किया और अधिकारियों को स्थिति के अनुसार आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए। जयपुर में बुधवार रात से लगातार हो रही बारिश के कारण कई स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित अनेक जिलों में कल रात से लगातार बारिश हो रही है जिससे कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। बारिश को देखते हुए अनेक स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। मौसम विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में जयपुर सहित सात जिलों में बहुत भारी बारिश दर्ज की गई है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के चौबीस घंटे के दौरान जयपुर, चूरू, अलवर, सीकर, करौली, सवाई माधोपुर व टोंक जिले में अनेक जगह बहुत भारी बारिश दर्ज की गई। इसके अनुसार इस दौरान जयपुर तहसील में 173 मिलीमीटर, चौमूं में 163 मिमी., करौली में 157 मिमी, जयपुर हवाई अड्डे पर 155 मिमी., टोंक के निवाई में 144 मिमी., सवाई माधोपुर के बोनली में 143 मिमी., अलवर के कोटकासिम में 135 मिमी., चूरू के तारानगर में 131 मिमी., जयपुर के फागी में 127 मिमी., सीकर के रामगढ़ में 126 मिमी. बारिश हुई। इसके अलावा भी राज्य में अनेक जगह भारी बारिश हुई है।

राजधानी जयपुर में कल शाम से ही रुक रुक कर बारिश हो रही है। बीती रात कई इलाकों में भारी बारिश हुई। राज्य के अनेक इलाकों में बादल छाये हुए हैं और बारिश हो रही है। राजधानी जयपुर में अनेक स्कूलों ने भारी बारिश को देखते हुए अवकाश की घोषणा कर दी। राजधानी के अनेक निचले व प्रमुख इलाकों में जलभराव के कारण लोग परेशान हुए। प्रशासन व नगर निकायों के अधिकारी व कर्मचारी हालात पर काबू पाने की कोशिश करते नजर आए। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा,जयपुर एवं प्रदेश के कुछ जिलों में तेज बारिश से जलभराव एवं सड़क धंसने जैसी सूचनाएं मिल रही हैं। मैं आमजन से अपील करता हूं कि सावधानी बरतें एवं उफनते नालों, नदी एवं सीवरेज से बचकर चलें। थोड़ी सी लापरवाही भी खतरनाक साबित हो सकती है।

मुख्यमंत्री ने की पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जयपुर शहर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में बेसमेंट में पानी में डूबने से तीन लोगों की मौत पर पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की है। साथ ही कम ने भारी वर्षा से हुई जनहानि पर तुरंत अधिकारियों को निर्देश दिए है। आम जन की तुरंत सहायता की जाए, किसी प्रकार की लापरवाही ना हो। सीएम ने आपदा प्रबंधन को भी चुस्त दुरुस्त रहने के निर्देश दिए है। जयपुर में आज भारी बारिश के कारण सीकर रोड स्थित वीकेआई मे पानी में डूबने से हुई मौत पर मुख्यमंत्री ने सहायता के निर्देश दिए है। मृतक कमल शाह पुत्र बैजनाथ उम्र 23, पुजा सैनी पुत्री अशोक सैनी उम्र 19 और पूर्वी सैनी पुत्री हटवारू सैनी उम्र 6 मकान न 94 -95 ध्वज नगर वार्ड न 5 जयपुर, सभी बिहार आरा के निवासी है। इनके परिजनों को तुरंत सहायता 4-4 लाख आपदा राहत से एंव 1-1 लाख रूपए मुख्यमंत्री सहायता कोष से कुल 5-5 लाख की सहायता की मंज़ूरी दी है।

राजस्थान में आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं : गजेन्द्र सिंह

जयपुर। राजस्थान सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि चोरी, लूटपाट और अन्य आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए गंभीरता से प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। वे इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का गृह मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा राज्य में चोरी, लूटपाट और अन्य आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए गंभीरता से प्रयास किये जा रहे हैं। मंत्री ने बताया कि प्रदेश में संगठित अपराधों को रोकने के लिए 16 दिसंबर 2023 को एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया गया था। इसके अलावा प्रत्येक जिले में पुलिस निरीक्षक की अगुवाई में सात से 15 पुलिसकर्मियों की विशेष टीम का गठन भी किया गया है। सुरक्षात्मक उपाय करते हुए अपराधियों के डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ी गई है।

समान नागरिकता संहिता बिल लाने पर कर रही है विचार : जोगाराम पटेल

जयपुर। राजस्थान सरकार समान नागरिकता संहिता बिल लाने पर विचार कर रही है और सभी पहलुओं पर विचार करके उचित समय में इस बारे में बिल लाया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह बात कही। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक कालीचरण सराफ ने सवाल पूछा था कि क्या सरकार उत्तराखंड राज्य की तर्ज पर राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड (समान नागरिक संहिता) लागू करने हेतु बिल लाने का विचार रखती है? इसके जवाब में मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, जी हां। राज्य सरकार द्वारा इस विषय पर विचार किया जा रहा है। संपूर्ण पहलुओं पर विचार करके सरकार द्वारा उचित समय पर उक्त बिल लाया जायेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है।

दौसा में दो भाइयों के शव मिल

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक सुनसान इलाके के कच्चे मकान में दो भाइयों के शव बरामद किए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शवों के गले पर निशान हैं और छत पर लकड़ी के डंडे से फंदा भी लटका हुआ मिला। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह आत्महत्या का मामला है या हत्या का। उन्होंने बताया कि मकान में दो शव पड़े होने की सूचना पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा। मकान सुनसान इलाके में स्थित है। मृतकों की पहचान भूराराम (19) और कालूराम (22) के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया गया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

राज्यपाल बागड़े ने अमर जवान ज्योति पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

जयपुर। राजस्थान के नए राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने बृहस्पतिवार सुबह यहां जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। राजभवन की ओर से जारी बयान के अनुसार राज्यपाल बागडे ने अमर जवान ज्योति पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वीर शहीद हमारे देश के वह गौरव हैं, जिनसे हम सब आलोकित होते हैं। उन्होंने वहां रखी 'आगंतुक पुस्तिका' में लिखा, मां भारती के लिए अपने प्राणों की परवाह किये बिना प्राण न्योछावर करने वाले सभी शहीदों को मेरा नमन है। मैं अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। बागड़े ने बुधवार शाम को राजस्थान के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली थी।

पाइप लाइन बिछाने की आवश्यक स्वीकृतियां होगी जारी : आनन्दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। माइंस एवं पेट्रोलियम सचिव श्रीमती आनन्दी ने कहा है कि राज्य में ग्रीन एवं क्लीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए पाईप लाईन से डीपीएनजी सुविधा के विस्तार के कार्य में तेजी लाई जाएगी। राज्य में कार्यरत सिटी गैस ड्रिस्ट्रिब्यूशन संस्थाओं को आधारभूत संरचना के विकास के लिए सीएनजी स्टेशनों की स्थापना, डीकंप्रेशर यूनिट लगाने, ड्रिस्ट्रिक्ट रेगुलेटिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए संबंधित स्थानीय निकाय संस्थाओं द्वारा 15 दिवस में भूमि की स्वीकृतियां जारी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि की अनुपलब्धता की स्थिति में एनओसी जारी कर दी जाएं। सीजीडी संस्थाओं को पाईप लाईन डालने के लिए आवश्यक औपचारिकताएं तत्काल पूरी कर स्वीकृतियां प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं ताकि मानसून के बाद पाईप लाईन बिछाने का कार्य आरंभ हो सके। माइंस सचिव श्रीमती आनन्दी गुरुवार को खनिज भवन में नगरीय विकास विभाग, स्थानीय निकाय विभाग, संबंधित विकास प्राधिकरण, विकास ट्रस्टों, नगर निगमों व नगर पालिकाओं राजस्थान स्टेट गैस सहित सीजीडी संस्थाओं के साथ स्वीकृतियों के अभाव में सीजीडी संस्थाओं के कार्य में आ रही बाधाओं के निराकरण के लिए उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ले रही थी। दौसा जिला कलक्टर देवेन्द्र जैन सहित संबंधित निकायों के प्रतिनिधि वर्चुअली बैठक में हिस्सा उपस्थित रहे। श्रीमती आनन्दी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जो खान एवं पेट्रोलियम मंत्री भी हैं, ने प्रदेश में क्लीन-ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए सीजीडी संस्थाओं के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं, वहीं प्रदेश में पाईप लाईन बिछाने और घरों में डीपीएनजी कनेक्शन जारी करने की बजट में घोषणा की गई है। राज्य सरकार की प्राथमिकता को देखते हुए स्थानीय निकाय संस्थाओं द्वारा सीजीडी संस्थाओं के प्रस्तावों पर उपलब्धता के आधार पर डिमाण्ड नोट भी जारी करना आरंभ कर दिया है।

राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने बताया कि राज्य में 13 सीजीडी संस्थाएं विभिन्न शहरों में सीएनजी-डीपीएनजी से गैस उपलब्ध कराने के लिए आधारभूत संरचना विकसित करने में लगी हुई है। उन्होंने बताया कि आवश्यक स्वीकृतियां जारी होने से सीजीडी संस्थाओं के कार्य में तेजी आयेगी और ग्रीन एवं क्लीन एनर्जी की उपलब्धत बढ़ सकेगी।

एमडी रणवीर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार की प्राथमिकता और गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 19 जुलाई को ही माइंस सचिव श्रीमती आनन्दी द्वारा सीजीडी संस्थाओं की बैठक ली और बैठक में स्वीकृतियों के संबंध में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभाग व संस्थाओं से समन्वय बनाने के साथ ही समाधान की राह प्रशस्त की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में 16वें वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। शर्मा ने शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सभी सदस्यों का स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल में वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगडिया एवं सदस्य अजय नारायण झा, श्रीमती एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पाण्डा, डॉ. सौम्य कांति घोष एवं सचिव रित्विक पाण्डे उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत भी मौजूद रहे।

बीजासन माता मंदिर में रोप वे निर्माण के लिए शीघ्र ही डीपीआर बनाई जाएगी : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने गुरुवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि इस वर्ष की बजट घोषणा के क्रम में बीजासन माता मंदिर में रोप वे निर्माण के लिए शीघ्र ही डीपीआर बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इसकी क्रियान्विति के लिए जिला कलेक्टर एवं सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं।

कुमावत प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विधान सभा क्षेत्र केशोरायपाटन में स्थित केशवरायजी के.पाटन मंदिर, राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिर है। इस मंदिर के अधीन 399.1 हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिससे विगत पांच वर्षों में 8 लाख 13 हजार 500 रूपये की आय प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि यह आय देवस्थान विभाग के माध्यम से राज्यकोष में जमा होती है। केशोरायपाटन में स्थित अन्य मंदिर कमलेश्वर महादेव मंदिर का संचालन प्रन्यास के द्वारा किया जाता है एवं मंदिर से प्राप्त होने वाली आय प्रन्यास के कोष में ही जमा होती है।

इससे पहले विधायक चुन्नीलाल सी.एल.प्रेमी बैरवा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में देवस्थान मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि विधान सभा क्षेत्र केशोरायपाटन में कुल 2 मंदिर राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिर - केशवरायजी के.पाटन एवं राजकीय आत्म निर्भर मन्दिर - राधा दामोदर जी के.पाटन देवस्थान विभाग द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित हैं। उन्होंने विगत 5 वर्षों में वर्णित मंदिर से हुई आय का विवरण सदन के पटल पर रखा।

कुमावत ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-2024 में बजट घोषणा संख्या 397 के तहत राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिर केशवरायजी के.पाटन एवं राजकीय आत्म निर्भर मन्दिर राधा दामोदर जी के.पाटन के लिए दोनों मंदिरों में पोशाक, रंग-रोगन एवं मरम्मत हेतु राशि एक-एक लाख रूपये का बजट स्वीकृत किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि मंदिर केशवरायजी की 399.1 हेक्टेयर भूमि है, जिसका विवरण परिशिष्ट उन्होंने सदन के पटल पर रखा। मन्दिर राधा दामोदर जी के नाम से कोई भूमि दर्ज नहीं है।

डबल इंजन की सरकार में जनता के साथ धोखा, राजस्थान के हकों को हरियाणा और मध्य प्रदेश के सामने गिरवी रखा: गोविंद सिंह डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा में पेयजल पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि हर साल गर्मी आते ही पेयजल की समस्या खड़ी हो जाती है, सरकार को कंटीन्जेंसी प्लान बनाकर इसका स्थानीय समाधान ढूंढना चाहिए। इस बार चुनावी आचार संहिता की आड़ लेकर कंटीन्जेंसी प्लान को वित्तीय स्वीकृति नहीं मिल सकी, जबकि पहले से पता था कि चुनाव आने वाले हैं, वह उल्टा की वित्त विभाग में एक आदेश जारी कर चुनाव की आड़ लेते हुए सारे काम बंद कर दिए, इससे गर्मियों में पानी को लेकर संकट बना रहा, यह आदेश आज भी स्टंट कर रहा है, डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री के क्षेत्र सांगानेर हो या फिर प्रदेश का कोई दूसरा शहर गांव सब जगह पानी का संकट बना रहा।

जल जीवन मिशन की मंत्री ने इसी सदन में आगे बढ़ाने की बात कही थी, लेकिन क्या हुआ, आज तक आगे काम नहीं हुआ। हरियाणा से शेखावाटी को जो पानी देने के लिए हरियाणा से एमओयू किया है, वह 12 क्यूसेक की जगह 500 क्यूसेक पानी पर सहमति दिए। ऐसे में राजस्थान के हकों के साथ सरकार ने धोखा किया है। तीनों जिलों को एक बूंद पानी नहीं मिलने वाला है डोटासरा ने कहा कि डबल इंजन की सरकार का क्या हुआ, बड़ी-बड़ी बातें की लेकिन हुआ क्या...? मध्य प्रदेश के सामने राजस्थान के हिस्से का पानी छोड़ दिया गया, पीकेसी योजना से राजस्थान को एक बूंद पानी मिलाने वाला नहीं है।

गर्मी में पानी-बिजली उपलब्ध करवाने में विफल रही है राज्य सरकार : पायलट

टोंक/दक्षिण भारत। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने कहा कि इस भीषण गर्मी के मौसम में डबल इंजन का दम्भ भरने वाली राज्य सरकार आम लोगों को बिजली एवं पानी उपलब्ध करवाने में पूरी तरह से विफल रही है। पायलट ने बुधवार को टोंक के तहसील कार्यालय में नवनिर्मित प्रतीक्षालय कक्ष, ग्राम पंचायत लाम्बाकलां (टोड़ारायसिंह) में नाला निर्माण कार्य एवं टीनशेड़ निर्माण कार्य के लोकार्पण कार्यक्रमों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हर वर्ष गर्मी के मौसम से पहले सरकार द्वारा आकस्मिक कार्यों की रूपरेखा तैयार करक उसके अनुसार कार्य करवाये जाते रहे हैं, परन्तु डबल इंजन की सरकार ने यह कार्य भी बंद कर दिया है।

अर्थव्यवस्था को नई गति देने के लिए लाया गया अनुपूरक बजट : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार पूरी तरह से वित्तीय अनुशासन का पालन कर रही है और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने के लिए बनायी गयी नई मदों के लिए ही सदन में अनुपूरक बजट लाया गया है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये पेश किये गये बजट पर चर्चा के दौरान विपक्ष द्वारा अनुपूरक बजट लाने के औचित्य पर उठाये गये सवालों का जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''पिछले सात वर्षों में जो प्रयास शुरू हुए हैं उसी का परिणाम है कि हम बजट के दायरे को दोगुना करने में सफल रहे। प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2015-16 की तुलना में दोगुने से ज्यादा बढ़ा है। यही बात प्रति व्यक्ति आय पर भी लागू होती है। यह दिखाता है कि हमारी दिशा सही है। इसे एक नई गति देने के लिए जो नए मद बनाए गए हैं उनके लिए अनुपूरक बजट की जरूरत पड़ी।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''फरवरी में ही हमने अपना मूल बजट पारित किया जो 7,36,437 करोड़ 71 लाख रुपए का था। विभिन्न विभागों को औसतन 44 प्रतिशत बजट धनराशि जारी हुई है, जिसमें से 20 प्रतिशत से अधिक खर्च भी हो चुकी है। सरकार अगर समाज के सभी वर्गों के बारे में कार्ययोजना आगे नहीं बढ़ाती तो उत्तर प्रदेश के बजट के आयाम को बढ़ाने में हम सफल नहीं हो पाते।'' उन्होंने कहा, ''हम

लोगों ने वित्तीय अनुशासन का पालन भी किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक व्यवस्था बनाई है कि आप अपने वित्तीय अनुशासन को बनाए रखते हुए अपना बजट बनाएंगे। उत्तर प्रदेश ने इस दिशा में बेहतरीन प्रयास किया है। राज्य में 25 करोड़ की आबादी रह रही है लेकिन इसके बावजूद अगर आप देश में अन्य राज्यों की तुलना में देखेंगे तो एफआरबीएम की जो सीमा है वह 3.5 है। उत्तर प्रदेश 2.86 पर अपने वित्तीय अनुशासन को बनाए रखने में सफल हुआ है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''केंद्र सरकार ने देश को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की कार्य योजना तैयार की है। देश का सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य होने के नाते उत्तर प्रदेश का भी दायित्व बनता था कि हम इस लक्ष्य की प्राप्ति में योगदान करें। इसके लिए उत्तर प्रदेश ने तय किया कि हम राज्य की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करेंगे। इसके लिए राज्य सरकार ने जो प्रयास किए हैं उत्तर प्रदेश का यह बजट उसी श्रृंखला का एक हिस्सा है।'' उन्होंने कहा, ''प्रदेश में नए रोजगार सृजित हुए हैं। उत्तर प्रदेश की जो विकास दर है वह अगर इसी तरह से आगे बढ़ेगी तो आने वाले समय में हम लोग उत्तर प्रदेश में अपनी आबादी के अनुसार देश की जो जीडीपी है उसमें अपना योगदान देने में सफल होंगे। उत्तर प्रदेश आज देश के उन राज्यों में है जिन्होंने अपने संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के माध्यम से खुद को राजस्व आधिक्य वाले राज्य के रूप में स्थापित किया है। इसके लिए हमें कर चोरी रोकने की प्रभावी उपाय करने पड़े।''

अपराधियों के लिए 'सद्भावना ट्रेन' नहीं बल्कि 'बुलेट ट्रेन' चलेगी : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ में बुधवार को बारिश के दौरान मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति और उसकी पत्नी पर सड़क पर भरा पानी उछालने और महिला को खींचकर गिराने के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि इस घटना के अपराधियों के लिये 'सद्भावना ट्रेन' नहीं बल्कि 'बुलेट ट्रेन' चलेगी।

मुख्यमंत्री के आदेश पर इस मामले में चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किये जाने के साथ-साथ संबंधित पुलिस उपायुक्त समेत तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पद से हटा दिया गया। आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा में कहा, ''कल की जो गोमती नगर की घटना है उसमें भी हम लोगों ने जवाबदेही तय की है। उसके अपराधियों की सूची भी मेरे पास आई है। पहला अपराधी पवन यादव है और दूसरा अपराधी है मोहम्मद अरबाज।'' उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा, ''यह सद्भावना वाले लोग हैं? यानी अब इनके लिए सद्भावना ट्रेन चलाएंगे?.... नहीं इनके लिए बुलेट ट्रेन चलेगी। चिंता मत करो और उस बुलेट ट्रेन की तैयारी की जा रही है। महिला सुरक्षा हमारे लिए सर्वोच्च महत्व रखती है। हमने इस बात को पहले दिन कहा था कि कोई खिलवाड़ करेगा तो उसका खामियाजा भुगतेगा।''

इससे पहले, मुख्यमंत्री के आदेश पर इस घटना के सिलसिले में बृहस्पतिवार को चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किये जाने के साथ-साथ संबंधित पुलिस उपायुक्त समेत तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पद से हटा दिया गया। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां जारी बयान में बताया कि इस मामले में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिये अपराध शाखा की टीम को भी जिम्मेदारी दी गयी है। बयान के मुताबिक आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन ने मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) प्रबल प्रताप सिंह, सहायक पुलिस उपायुक्त अमित कुमावत और गोमतीनगर के सहायक पुलिस आयुक्त अंशु जैन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से हटा दिया है, जबकि गोमतीनगर थानाध्यक्ष दीपक कुमार पांडेय, समतामूलक चौकी प्रभारी ऋषि विवेक, दारोगा कपिल कुमार, सिपाही धर्मवीर और सिपाही वीरेंद्र कुमार समेत चौकी के सभी पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

टीएमसी उत्तर बंगाल के विकास के खिलाफ है, भाजपा राज्य का विभाजन नहीं चाहती : दिलीप घोष

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने पार्टी पर पश्चिम बंगाल का विभाजन करने का आरोप लगाने के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की आलोचना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी की ऐसी कोई योजना नहीं है। घोष ने राज्य को विभाजित करने के कथित प्रयासों का विरोध करने के लिए सोमवार को राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश करने के टीएमसी के फैसले पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी राज्य के उत्तरी जिलों के विकास में बाधा डाल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की बंगाल इकाई के अध्यक्ष और बालुरघाट के सांसद सुकांत मजूमदार ने उत्तरी जिलों के विकास का प्रारूप प्रस्तावित किया है।

घोष ने विधानसभा के बाहर कहा, भाजपा ने कभी भी पश्चिम बंगाल को विभाजित करने की वकालत नहीं की है, न ही उसने किसी घोषणापत्र में ऐसा प्रस्ताव शामिल किया है। हमारे संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने पश्चिम बंगाल के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हर किसी की तरह, हम (भाजपा) भी बंगाल से प्यार करते हैं। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर चुनावी लाभ के लिए राज्य को विभाजित करने की राजनीति करने का आरोप लगाया। घोष ने कहा, बंगाल के लोगों को उन लोगों से सावधान रहना चाहिए जो विभाजन को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। घोष ने उत्तर बंगाल के लोगों को धोखा देने और जिले के विकास का विरोध करने के लिए टीएमसी की आलोचना की।

कांग्रेस ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए एएमयू और जामिया में एससी/एसटी आरक्षण समाप्त किया था : पात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिक्षा क्षेत्र में आरक्षण के मुद्दों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद संबित पात्रा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी दल ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और जामिया मिल्लिया इस्लामिया से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का आरक्षण समाप्त किया था।

लोकसभा में शिक्षा मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए पात्रा ने कहा कि कांग्रेस के लोग आरक्षण पर आंसू बहाते हैं, लेकिन वे जवाब दें कि क्या यह सच नहीं है कि केंद्र द्वारा वित्तपोषित एएमयू और जामिया संस्थानों में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए प्रदत्त आरक्षण को समाप्त कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस ने मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए 1981 में एएमयू में एससी और एसटी के आरक्षण को समाप्त कर दिया। कांग्रेस ने 2011 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में एससी और एसटी आरक्षण समाप्त कर दिया।'' पात्रा ने पेपर लीक को लेकर विपक्षी सदस्यों के आरोपों पर कहा, ''पेपर लीक पर आरोप लगाने से पहले वे अपने गिरेबान में झांकें जो

पाप ही पाप से भरा पड़ा है।'' उन्होंने 2006 से लेकर 2014 तक केंद्र की पूर्ववर्ती संप्रग सरकार में पिछले कुछ साल में विभिन्न कांग्रेस शासित राज्यों में प्रश्नपत्र लीक के अनेक उदाहरण गिनाए।

भाजपा सांसद ने कहा, ''इस सरकार ने गत फरवरी में पेपर लीक को रोकने के लिए एक विधेयक सदन में रखा है। इसमें दस साल तक की जेल का और एक करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान है।'' उन्होंने कहा कि इस बार के केंद्रीय बजट में शिक्षा, कौशल और उद्यमिता तथा रोजगार विषयों पर बहुत जोर दिया गया है। पात्रा ने आरोप लगाया कि विपक्ष 34 वर्ष तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर चुप्पी साधे रहा और 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने के बाद भाजपा के घोषणापत्र में किए गए एनईपी के वादे को पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के प्रति सम्मान और शिक्षा को लेकर समग्रता की सोच है।

पात्रा ने कहा कि मोदी सरकार में प्राथमिक शिक्षा में विद्यार्थियों के पंजीकरण में 3 प्रतिशत से अधिक वृद्धि, शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात में 9 प्रतिशत की वृद्धि, दिव्यांग बच्चों के लिए सुविधाओं वाले स्कूलों में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र ओडिशा के पुरी में शांतिनिकेतन जैसे विश्वस्तरीय केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग की।

शांति वार्ताओं के सिलसिले में अथक प्रयास कर रही सरकार, जल्द करेंगे घोषणा: बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

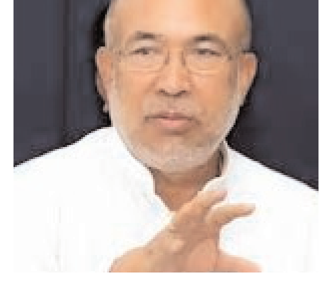

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार शांति वार्ताओं की दिशा में काम कर रही है और असम के सिलचर में कई बैठकें हुई हैं। सिंह ने विधानसभा को बताया, हम विधायकों और अन्य सदस्यों की सहायता से शांति वार्ताओं की दिशा में भरसक प्रयास कर रहे हैं। सिलचर में बैठकें हुई हैं और हम जल्द ही एक घोषणा करेंगे।

हालांकि बैठकों में कौन शामिल हुआ, इस बारे में उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि राज्य में जारी हिंसा एक अनापेक्षित और गैर वांछित घटनाक्रम है।

सिंह ने कहा, कानून व्यवस्था की गंभीर स्थिति को देखते हुए गिरफ्तारी समेत कठोर कदम उठाने के नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ मुद्दों पर राजनीति की जा रही है, जिससे स्थिति जटिल हो रही है। सिंह ने कहा, कुछ लोग विभिन्न मुद्दों पर राजनीति कर रहे हैं, जिससे तत्काल निपटा जाना चाहिए। मैं सभी से ऐसा न करने की अपील करता हूं। राज्य में 38,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद हिंसा होने के बारे में कांग्रेस विधायक रणजीत सिंह के सवाल के जवाब में सिंह ने कहा, उच्चतम न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश जांच कर रहे हैं। जांच के दौरान उन खामियों की पहचान की जाएगी, जो हिंसा की वजह रही हैं। जांच निष्कर्षों के आधार पर जवाबदेही तय की जाएगी।

कांग्रेस विधायक सूरजकुमार ओकराम के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए सिंह ने कहा, अब तक हिंसा में 226 लोग मारे गए हैं। भीड़ जैसी स्थितियों के कारण कुछ मामलों में दोषियों की गिरफ्तारी में देरी हुई है। समूहों द्वारा सुरक्षा बलों के काम में बाधा डालने के मामले भी सामने आए हैं।

पाठ्यपुस्तकों में बदलाव बच्चों की बौद्धिकता के लिए खतरा: तृणमूल कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस की सांसद प्रतिमा मंडल ने ''प्रमुख मुस्लिम शासकों से संबंधित अध्याय हटाने'' और एनसीईआरटी पाठ्यक्रम से 2002 के गुजरात दंगों के संदर्भ को हटाने को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि वर्तमान सरकार के तहत पाठ्यपुस्तकों में बदलाव से बच्चों की बौद्धिकता के लिए खतरा पैदा हो रहा है।

शिक्षा मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए मंडल ने कहा कि सरकार की नीतियां न केवल देश के शैक्षिक मानकों को ऊपर उठाने में विफल रही हैं, बल्कि क्रमबद्ध रूप से उन मूलभूत सिद्धांतों को भी नष्ट कर दिया गया है जो छात्रों के समान अवसर और समग्र विकास को सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा, ''मौजूदा सरकार के तहत पाठ्यपुस्तकों का क्रमिक संशोधन हमारे बच्चों की शिक्षा और बौद्धिकता के लिए खतरा पैदा करता है।'' मंडल ने इस बात का उल्लेख किया कि वर्ष 2018 में तत्कालीन शिक्षा राज्य मंत्री सत्यपाल सिंह ने डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत को ''वैज्ञानिक रूप से गलत'' घोषित किया था और पाठ्यक्रम में बदलाव का आह्वान किया था।

भाजपा सांसद ने अलीगढ़ मुस्लिम विवि में एससी, एसटी आरक्षण की मांग दोहराई

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के सांसद सतीश गौतम ने बृहस्पतिवार को सरकार से अपनी यह मांग दोहराई कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को आरक्षण मिलना चाहिए। गौतम ने लोकसभा में शिक्षा मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि देश में सबसे पहले स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शामिल काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को आरक्षण का लाभ मिलता है, लेकिन अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय एक शिक्षा मंत्री ने एएमयू को अल्पसंख्यक दर्जा देने का पत्र जारी कर दिया।

विपक्ष का कटाक्ष: बाहर पेपर लीक और संसद भवन में भी 'लीक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्ष के कई नेताओं ने नए संसद भवन की एक लॉबी में ''पानी के रिसाव'' को लेकर बृहस्पतिवार को मोदी सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पहले 'पेपर लीक' हुआ और अब संसद के भवन में 'लीक' हो गया है।

कांग्रेस के लोकसभा सदस्य मणिकम टैगोर ने 'एक्स' पर नए संसद भवन की एक लॉबी में छत से पानी रिसने और उसे इकट्ठा करने के लिए रखी बाल्टी का एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने लोकसभा में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए कार्यस्थगन प्रस्ताव लाने के लिए एक नोटिस भी दिया। टैगोर ने कहा, ''बाहर पेपर लीक और अंदर 'वाटर लीक' (पानी का रिसाव)। संसद लॉबी में हाल ही में पानी का रिसाव नई इमारत बनने के ठीक एक साल बाद मौसम की स्थिति से जुड़ी इसकी क्षमता को उजागर करता है।''

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे को लेकर सरकार पर कटाक्ष किया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इस नई संसद से अच्छी तो वो पुरानी संसद थी, जहां पुराने सांसद भी आकर मिल सकते थे। क्यों न फिर से पुरानी संसद चलें, कम-से-कम तब तक के लिए, जब तक अरबों रुपयों से बनी संसद में पानी टपकने का कार्यक्रम चल रहा है।'' यादव ने कहा, ''जनता पूछ रही है कि भाजपा सरकार में बनी हर नई छत से पानी टपकना, उनकी सोच-समझकर बनायी गयी डिजाइन का हिस्सा होता है या फिर......।''

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, ''संसद लॉबी से पानी का रिसाव हो रहा है। यह देखते हुए कि इमारत नरेन्द्र मोदी के अहंकार से जुड़ी इमारत है, यह उचित ही है कि 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद यह डंवाडोल हो गई है। 'भारत मंडपम' में भी इसका स्पष्ट उदहारण है।''

अवैध रूप से भारत में घुसने के आरोप में दो चीनी गिरफ्तार

महाराजगंज (उप्र)/भाषा। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में दो चीनी नागरिकों को अवैध रूप से भारत में घुसने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि इस काम में उनकी मदद कर रहे एक भूटानी शरणार्थी को भी गिरफ्तार किया गया है। तीनों को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने दोनों देशों के बीच सोनौली ट्रांजिट प्वाइंट पर पकड़ा।

महाराजगंज के अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह ने कहा, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के यांग मेंग मेंग (37) और गु बाओकियांग (35) दोनों बुधवार रात सोनौली भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में घूम रहे थे, जब उन्हें सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने नियमित जांच के लिए रोका। वे नेपाल के काठमांडू से भारत आ रहे थे। सोनौली क्षेत्र में आव्रजन विभाग ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया, जब उनके पास से चीनी पासपोर्ट मिला, लेकिन भारतीय वीजा के कागजात और कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस अधिकारी ने बताया कि तिब्बती शरणार्थी लोबसांग जामयांग (44) को भी हिरासत में लिया गया है, जिसने दोनों चीनी नागरिकों को नेपाल से अवैध रूप से भारत में प्रवेश कराने की जिम्मेदारी ली थी।

मेरे पसंदीदा गेंदबाज बुमराह हैं : एम एस धोनी

हैदराबाद/भाषा। महान बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि जसप्रीत बुमराह उनके पसंदीदा गेंदबाज हैं लेकिन उन्होंने पसंदीदा बल्लेबाज के बारे में पूछने पर विराट कोहली और रोहित शर्मा में से एक को चुनने से इनकार किया।

यहां एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान धोनी ने कहा ,'' मेरा पसंदीदा गेंदबाज चुनना आसान है क्योंकि वह बुमराह हैं । बल्लेबाज चुनना कठिन है क्योंकि इतने सारे अच्छे बल्लेबाज हैं । इसके मायने यह नहीं है कि हमारे गेंदबाज अच्छे नहीं है ।'' उन्होंने कहा ,'' बल्लेबाजों में से एक को चुनना कठिन है । मैं किसी एक को नहीं चुनना चाहता । उम्मीद है कि वे सभी रन बनाते रहेंगे ।''

आईपीएल में अपने भविष्य के बारे में उन्होंने कुछ बताने से इनकार किया । उन्होंने कहा ,'' अभी इसमें समय है । देखते हैं कि खिलाड़ियों को बरकरार रखने पर क्या फैसला लेते हैं । अभी गेंद हमारे पाले में नहीं है।'

रोहित ने कहा, पंत और राहुल में से किसी एक को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर चुनना मुश्किल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। कप्तान रोहित शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वनडे में भारत के विकेटकीपर बल्लेबाजी स्थान के लिए केएल राहुल और ऋषभ पंत में से किसी एक को चुनना काफी मुश्किल फैसला है क्योंकि दोनों खिलाड़ी अपने तरीके से मैच विजेता हैं।

पंत ने अमेरिका में टी20 विश्व कप के दौरान भारतीय टीम में वापसी की जबकि राहुल शुक्रवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच में इस साल जनवरी के बाद पहला वनडे मैच खेलने पर नजर लगाये होंगे।

रोहित ने यहां मैच से पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''यह (राहुल और पंत में से किसी एक को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर चुनना) मुश्किल फैसला है। दोनों ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं और आप दोनों की काबिलियत को जानते हैं। वे अपने-अपने तरीके से मैच विजेता हैं। उन्होंने बीते समय में हमारे लिए कई मैच जीते हैं।''

पेरिस में निशानेबाजों के अच्छे प्रदर्शन का भरोसा था: आईओए प्रमुख उषा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शेटराउ (फ्रांस)/भाषा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बृहस्पतिवार को कहा कि भले ही रियो और टोक्यो में पिछले दो ओलंपिक में निशानेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा हो लेकिन उन्हें पेरिस में उनके अच्छा करने का भरोसा था।

पेरिस ओलंपिक में भारत का 21 सदस्यीय निशानेबाजी दल हिस्सा ले रहा है जिसमें से देश को तीन कांस्य पदक मिल चुके हैं।

मनु भाकर एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय निशानेबाज बन गईं। उन्होंने 10 मीटर व्यक्तिगत महिला एयर पिस्टल और सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

स्वप्निल कुसाले ने बृहस्पतिवार को 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में भारत के खाते में एक और कांस्य जोड़ा।

उषा ने पीटीआई से कहा,

''पिछले दो ओलंपिक में हम निशानेबाजी में पदक नहीं जीत सके थे लेकिन हम पहले भी मनु ने अच्छी शुरुआत की उम्मीद कर रहे थे। हम मनु के निजी कोच जसपाल राणा के लगातार संपर्क में हैं और वह मनु को लेकर बहुत आश्वस्त थे और जानते थे कि मनु अच्छा प्रदर्शन करेगी। '' उन्होंने कहा, ''हमें निशानेबाजों से पदक की उम्मीद थी। हमने तीन पदक जीत लिए हैं और निशानेबाजों से और पदक की उम्मीद है। मेरे लिए और सभी के लिए यह शानदार क्षण है। '' आईओए प्रमुख को उम्मीद है कि भारत टोक्यो ओलंपिक से बेहतर प्रदर्शन करेगा जिसमें देश ने सात पदक जीते थे। उन्होंने कहा, ''हमने टोक्यो में सात पदक जीते। लेकिन हमें यहां सात से अधिक पदक जीतने चाहिए। अन्य खेलों से भी अच्छे परिणाम की उम्मीद है। ''

उषा ने कहा, ''हमारा ध्यान खिलाड़ियों पर है। एथलीट जो भी चाहते हैं आईओए ने उनके लिए सब कुछ किया है। ''

उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा ओलंपिक चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा यहां अपना खिताब बरकरार रखेंगे। उन्होंने कहा, ''नीरज पहले ही दो बार अपना प्रदर्शन दिखा चुके हैं और मुझे उम्मीद है कि वह इस बार भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। ''

महिला का मोबाइल फोन ठीक नहीं कर पाने पर सोनी मोबाइल देगी 50,000 रुपए का हर्जाना

गुवाहाटी/भाषा। असम में लगभग नौ साल पहले एक महिला का मोबाइल फोन ठीक नहीं कर पाने के एक मामले में यहां एक उपभोक्ता अदालत ने सोनी मोबाइल कम्युनिकेशन और इसके दो बिक्री एवं सेवा केंद्रों को निर्देश दिया है कि वह पीड़ित महिला को 50,000 रुपए से अधिक का भुगतान करे।

कामरूप जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने 26 जुलाई को एक आदेश में सोनी मोबाइल कम्युनिकेशन, क्रिश्चियन बस्ती स्थित इसकी खुदरा दुकान 'सोनी सेंटर' और राजगढ़ मेन रोड स्थित सोनी सर्विस सेंटर को 45 दिन के भीतर मुआवजा देने का निर्देश दिया। आयोग ने तीनों पक्षों को निर्देश दिया कि वे शिकायतकर्ता नीना बैरागी को मामला दर्ज करने की तारीख से 'शारीरिक उत्पीड़न और मानसिक पीड़ा' के लिए 40,000 रुपए की राशि 10 प्रतिशत ब्याज के साथ अदा करें। आदेश में कहा गया कि इसके अलावा, उन्हें कार्यवाही की लागत के रूप में शिकायतकर्ता को 10,000 रुपए की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया।

सुविचार

कुछ बातों का जवाब सिर्फ ख़ामोशी होती है, और यकीन मानो ये बहुत खुबसूरत जवाब होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रतिभाओं को पहचानें

दिल्ली सरकार ने शहर में संचालित कोचिंग सेंटरों को विनियमित करने के लिए कानून लाने संबंधी जो घोषणा की है, वह बहुत देरी से लिया गया फैसला है। अगर दशकभर पहले दूरदर्शिता के साथ कोई कानून लाया जाता तो आज हालात बहुत बेहतर होते। सरकार जागी, लेकिन बड़े नुकसान और हंगामे के बाद! दिल्ली में एक कोचिंग सेंटर के 'बेसमेंट' में पानी भर जाने के बाद हुए हादसे से अन्य राज्यों की सरकारों को भी सजग हो जाना चाहिए। आज हर छोटे-बड़े शहर में जिस तरह शर्तिया पास कराने, सरकारी नौकरी लगाने के वादों के साथ कोचिंग सेंटर खुल रहे हैं, वहां स्थानीय प्रशासन को अपनी आंखें खुली रखनी चाहिएं। कई कोचिंग सेंटरों और पुस्तकालयों में नियमों को ताक पर रखकर प्रवेश दिया जा रहा है, जो भविष्य में एक और हादसे को दावत दे सकता है। देश का नौजवान शहरों में किराए के कमरों में रहकर जिन मुश्किल हालात में सिविल सेवा और अन्य सरकारी नौकरियों से संबंधित परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है, उससे कुछ सवाल भी पैदा होते हैं। देश में कई दशकों से यह धारणा बनी हुई है कि शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य सरकारी नौकरी पाना है ... अगर उसमें भी प्रशासनिक सेवा में चले गए तो क्या ही कहने! कई फिल्मों, धारावाहिकों आदि के जरिए किशोरों, युवाओं के मन में यह बात दृढ़ता से बैठा दी गई कि आप जीवन में तभी सफल कहलाएंगे, जब सरकारी नौकरी करेंगे। अभिभावक भी बच्चों पर दबाव डालते हैं कि जीवन में सफल होना है तो सरकारी नौकरी की तैयारी करो। अगर किसी रिश्तेदार का बच्चा कई वर्ष लगाने के बाद सरकारी नौकरी पा गया तो घर के बड़े-बुजुर्ग अन्य बच्चों को ताने मार-मारकर कहते हैं कि आपने जीवन में क्या किया, फलां को देखें, उसकी सरकारी नौकरी है ... उससे कुछ सीखें, उसे अपना आदर्श मानें!

कुछ वर्ष पहले, इंटरनेट से संबंधित सेवाएं देने वाली अमेरिका की एक बहुत बड़ी कंपनी में भारतीय मूल के तकनीकी विशेषज्ञ को सीईओ नियुक्त किया गया (जिनका वेतन करोड़ों रु. में है) तो सोशल मीडिया पर एक कार्टून बहुत वायरल हुआ था, जिसमें एक काल्पनिक रिश्तेदार को यह कहते हुए दिखाया गया था कि अगर वह व्यक्ति (सीईओ) थोड़ी और तैयारी कर लेता तो उसकी अपने जिले में सरकारी नौकरी लग जाती! भारत में जब बच्चा स्कूल में दाखिला लेता है तो वह अपने आस-पास के वातावरण से धीरे-धीरे यही सीखता है कि अगर सरकारी नौकरी नहीं मिली तो यह जीवन अधूरा है! जब वह कॉलेज में पहुंचता है तो यह जानकर बड़ा धक्का लगता है कि उसकी डिग्री सरकारी नौकरी नहीं दे सकती। उसके लिए अलग से कोचिंग करनी होगी। इसके अलावा मकान किराए, खाने-पीने, किताबों, आने-जाने आदि पर लाखों रुपए खर्च करने होंगे। मेहनत और समय लगेगा, वह अलग। परीक्षा के दिन अभ्यर्थियों का हुजूम उमड़ता है। एक-एक पद के लिए सैकड़ों-हज़ारों अभ्यर्थियों के बीच कड़ा मुकाबला होता है। चूंकि पद तो चुनिंदा होते हैं, इसलिए कुछ ही अभ्यर्थियों का चयन होता है। बड़ी तादाद तो उन अभ्यर्थियों की होती है, जो काफी जद्दोजहद के बावजूद खाली हाथ रह गए। उन्हें कई लोगों के तीखे बोल सुनने पड़ते हैं। बेशक देश के राजकाज के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों की जरूरत होती है। जिन लोगों का सरकारी नौकरी के लिए चयन होता है, उनकी मेहनत और प्रतिभा को नकारा नहीं जा सकता। समस्या तब पैदा होती है, जब स्कूली दिनों में ही बच्चे के मन में यह बात बैठा दी जाए कि 'यह पढ़ाई सिर्फ सरकारी नौकरी पाने के लिए है।' जो सरकारी नौकरी से संबंधित परीक्षा उत्तीर्ण करता है, वह प्रतिभाशाली होता है, लेकिन जो किसी कारणवश यह परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाता, वह भी प्रतिभा का धनी हो सकता है। उसकी प्रतिभा उसे किसी अन्य क्षेत्र में बुलंदियों तक पहुंचा सकती है। ऐसे बहुत लोग हैं, जो आज अपनी योग्यता के बूते बड़े-बड़े कारोबारी प्रतिष्ठान चला रहे हैं। वे सैकड़ों-हज़ारों लोगों को रोज़गार दे रहे हैं। जो युवा अपनी प्रतिभा का उपयोग सरकारी नौकरी के जरिए देशसेवा में करना चाहता है, वह जरूर करे। इसके साथ ही, सरकार को चाहिए कि वह व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा दे। युवाओं को हुनर सिखाए। प्रतिभा की जरूरत हर क्षेत्र में होती है। जो लोग वैज्ञानिक तरीके से खेती करते हैं, आधुनिक तकनीक आधारित व्यवसाय करते हैं, अपनी अभिरुचि को व्यवसाय में बदलकर रोजगार के अधिकाधिक अवसरों का सृजन करते हैं, देश की प्रगति के लिए आयकर देते हैं, वे भी प्रतिभाशाली होते हैं। बेहतर यह होगा कि प्रतिभाओं को पहचाना जाए और वे जिस क्षेत्र के लिए सर्वाधिक योग्य हैं, उन्हें उनके लिए तैयार किया जाए।

ट्वीटर टॉक

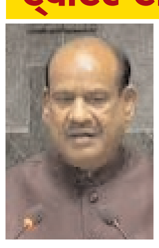

राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े जी ने आज संसद भवन स्थित कार्यालय में भेंट की। उन्हें राजस्थान का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की। आपके वृहद अनुभव राज्य के विकास को नई दिशा प्रदान करेंगे, ऐसी कामना करता हूँ।

-ओम बिरला

प्रदेश भर में कल रात से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर जन-जीवन प्रभावित होने की सूचना प्राप्त हुई है। मौसम विभाग ने अगले 2 दिन तक प्रदेश के उत्तरी और पूर्वी भागों के कुछ स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

सहनशीलता से हृदय परिवर्तन

एक बार स्वामी दयानंद सरस्वती नागपुर में धार्मिक अंधविश्वासों के खिलाफ व्याख्यान दे रहे थे। उनका व्याख्यान कुछ लोगों को बुरा लगा और उन्होंने स्वामी जी को पीटने की योजना बना डाली। एक बदमाश लठैत को स्वामी जी के पास भेजा गया। लठैत ने कहा, 'तुम हमारे धार्मिक विश्वासों का खंडन करके भगवान का अपमान करते हो। बोलो, मैं तुम्हारे किस अंग पर पहले प्रहार करूं?' स्वामी जी मुस्कुराकर बोले, 'मेरा मस्तिष्क ही मुझे प्रत्येक कार्य करने के लिए प्रेरणा देता है। अत: आप मेरे सिर पर ही पहले प्रहार करें।' उनकी निर्भीकता को देखकर वह बदमाश आश्चर्यचकित रह गया। वह तुरंत स्वामी जी के चरणों में गिर पड़ा और उनसे क्षमा मांगते हुए बोला, 'स्वामी जी, मुझे माफ कीजिए। मैंने आपको ठीक से नहीं पहचाना था। आज आपने मेरी आंखें खोल दी।' बाद में वह स्वामी जी का शिष्य बन गया।

सामयिक

डिब्बाबन्द बेबी फूड का शिकंजा

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल-7379100261

प्रत्येक वर्ष 1 अगस्त से 7 अगस्त 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के नाम से जाना जाता है। इसका सीधा उद्देश्य वैश्विक परिक्षेत्र में स्तनपान को लेकर सजगता का भाव पैदा करना है, जिससे बच्चे अपना बुनियादी हक पा सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ, विभिन्न देशों के स्वास्थ्य मंत्रालय और स्वयंसेवी संस्थाएं सन 1992 से निरन्तर स्तनपान को लोकप्रिय बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं।

प्रसव के पश्चात माँ के स्तनों में दूध आने लगता है, यह बच्चे का प्रकृति प्रदत्त आहार है। हजारों साल से बच्चा इस पर निर्भर रहता चला आ रहा था। किन्तु बीसवीं सदी के तीसरे-चौथे दशक के बीच 'फिगर' बिगड़ने की एक मनगढ़ंत कहानी महिलाओं के बीच फैली और देखते-देखते इसने समाज में गहरी जड़ जमा लिया। महिलायें स्तनपान कराने से बचने का प्रयास करने लगीं। इस बीच शिशु आहार बनाने वाली गेरबर, नेशल जैसी कम्पनियाँ बाजार में आ चुकी थीं। यह अपने उत्पाद को स्थापित करने के लिए विज्ञापनों से यह प्रपंच रचने लगीं कि डिब्बे पर छपे बच्चे जैसी संतान के लिए उनका उत्पाद खरीदना जरूरी है। पहले पत्र-पत्रिका और रेडियो, फिर टीवी के पर्दे पर यह विज्ञापन स्थान बनाते चले गये।

कौन नहीं चाहेगा की उसका बच्चा स्वस्थ्य, सुन्दर, खुशमिजाज और स्मार्ट हो? लोगों की इस चाहत को क्रेता के धरातल पर लाने के लिए पूरक शिशु आहार और पावडर दूध का धंधा करने वाली कम्पनियों के विज्ञापनों के सुन्दर, मनमोहक और तेज-तर्रार बच्चे आम अभिभावकों के मन-मस्तिष्क में अपने जैसे बच्चों की चाहत की खूबसूरत परिकल्पना गढ़ने में सफल हुए। परिणामतः धनाढ्य व्यक्तियों की तो बात ही अलग है, मेहनतकश और अपेक्षाकृत कम पैसे वाले लोग भी डिब्बाबन्द शिशु आहार के खरीददार बन रहे हैं।

विज्ञापन व्यवसायी और उपभोक्ता के बीच तंत्रिका-तंत्र का काम करता है। तंत्रिका-तंत्र का काम है -संवेदित करना। इसलिए डिब्बे पर छपे या विज्ञापन में प्रदर्शित मनभावन बच्चों पर आकर्षित होना स्वभाविक है किन्तु, सच्चाई यह है कि शिशु आहार कितनी भी बड़ी कम्पनी का और कितनी भी ऊंची कीमत का क्यों न हो, माँ के अमृत तुल्य दूध का मुकाबला नहीं कर सकता है। हालांकि पावडर दूध और अन्य शिशु आहार के पैकेट पर यह वैधानिक सूचना दी जाती है कि बच्चे के लिए माँ का दूध सर्वोत्तम है।' किन्तु यह तथ्य इतने गौण रूप में प्रदर्शित किया जाता है कि शायद ही किसी का ध्यान इस पर जाता हो। जबकि विज्ञापन में जोर शोर से बताया जाता है कि यह उत्पाद अत्यन्त लाभकर, पौष्टिक और शक्तिवर्द्धक है। विज्ञापन पुनः और पुनः उत्पाद को प्रदर्शित करके मन में इच्छा जगाता है, फिर प्रबलित करता है। अंततः एक दिन व्यक्ति शिशु आहार का पैकेट या दूध का डिब्बा अपने बच्चे के लिए खरीद ही लेता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक आँकड़े के अनुसार, विकासशील देशों में एक करोड़ से अधिक बच्चे प्रतिवर्ष डिब्बाबन्द दूध के सेवन से पेट की गड़बड़ियों के शिकार हो जाते हैं। हमारे देश में कुपोषण और असामयिक मृत्यु का ग्रास बनने वाले बच्चों का बड़ा प्रतिशत उन बच्चों का होता है, जो फीडर से दूध लेते हैं। पावडर दूध का एक नकारात्मक पहलू यह है कि अगर इसे बनाकर तत्काल प्रयोग में न ले लिया जाय, तो इसमें किटाणु पैदा होने का खतरा बना रहता है। आमतौर पर शिशु आहार के पावडर और पानी का अनुपात गलत हो जाता है। सामान्यतया हर बार प्रयोग से पहले बोतल और निप्पल को उबलते पानी में डालकर किटाणु रहित नहीं किया जाता, इसलिए इंफेक्शन और दस्त लगने की संभावना सदैव बनी रहती है।

यूनिसेफ और विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ भारतीय स्वास्थ्य परियोजनाओं के जरिए हाल के वर्षों में 'निरन्तर स्तनपान' के प्रति जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। आहार विशेषज्ञ भी अब जोरदार ढंग से कहने लगे हैं कि नवजात को माता का शुरू से ही पिलाया जाना चाहिए। देश के कुछ अंचलों में शुरू के एक-दो दिन बच्चे को माँ नहीं पिलाया जाता है। जबकि बच्चे के जन्म लेने के बाद जो हल्का पीला गाढ़ा दूध माँ के स्तनों में आता है, वह कोलोस्ट्रम कहलाता है और पौष्टिकता के मामले में बेजोड़ है। यह नवजात शिशु के लिए बहुत मूल्यवान होता है। इसके सेवन से बच्चे के अन्दर रोगप्रतिरोधक क्षमता पैदा होती है, जो बच्चे को एग्जिमा जैसे छूत के रोग, मानसिकमंदिता और दमा से सुरक्षित रखती है। माँ को तेज बुखार, टीबी, कुष्ट रोग आदि गंभीर बीमारी होने की स्थिति में डॉक्टर स्तनपान की मनाही कर सकते हैं। ऐसी अवस्था में भी डिब्बे के दूध के स्थान पर गाय, बकरी या भैंस के दूध का उपयोग करना चाहिए। सामान्य स्थिति में जन्म से छह माह तक स्तनपान अवश्य कराया जाना चाहिए। इस अवधि में माँ का दूध नवजात शिशु के लिए सम्पूर्ण आहार होता है। दूध से इतर जो पूरक आहार बाजार में उपलब्ध रहता है, वह काफी महंगा होता है। एक सुयोग्य माँ उससे अच्छी गुणवत्ता का पौष्टिक आहार परम्परा से समाज में प्रचलित नुस्खों से घर में तैयार कर सकती है।

स्तनपान कराना पिछड़ेपन की निशानी नहीं है। बल्कि यह तो एक वरदान है, जिसे हर माँ को समझना चाहिए। ध्यान देने की बात है, गर्भवस्था के दौरान ढीला पड़ा शरीर स्तनपान से पुनः सुगठित हो जाता है। बच्चों को दूध पिलाने से वक्ष में कैंसर की संभावना बहुत ही काम हो जाती है, साथ ही यह परिवार नियोजन में सहायक परम्परागत साधन भी है। गर्भावस्था और प्रसव के पश्चात शरीर में अक्सर भारीपन आ जाता है, माँ के शरीर में जमी फालतू चर्बी भी बच्चे को दूध पिलाने से कम हो जाती है। अंत में अकबर इलाहाबादी का यह तंजिया शेर...

तिफ्ल में बू क्या माँ-बाप के अतवार की,
दूध तो डिब्बी का है तालीम है सरकार की।

मतलब यह कि माँ द्वारा दूध पिलाना एक भावात्मक अनुभव होता है। इससे बच्चे में सुरक्षा, आत्मीयता और सकारात्मकता का संचार होता है। स्तनपान करने से माँ और बच्चे के बीच सम्बन्ध प्रगाढ़ होते हैं। बच्चे के अन्दर स्नेह का संचार तो माँ अपने दूध से ही कर सकती है, फीडर सोने का हो, फिर भी यह संभव नहीं। 'विश्व स्तनपान सप्ताह' में इस मुद्दे पर जागरूकता पैदा किया जाना जरूरी है।

मंथन

राहुल ही नहीं, कोई भी अपनी जाति बताने में शर्मसार क्यों हो?

अजय कुमार
मोबाइल : 9335566111

हिन्दुस्तान की राजनीति में क्या राहुल गांधी होना ही काफी है। वह जो सवाल सबसे पूछते हैं,वही सवाल जब उनसे कोई पूछ लेता है तो इसमें उनकी इनसर्ट कैसे हो जाती हैं। कहीं ऐसा तो नहीं वह अभी भी मध्यकालीन सामंतवादी सोच से बाहर नहीं निकल पाये हैं। यह सच है कि राहुल ऐसे परिवार से आते हैं जिसने आजादी के बाद दशकों तक सामंतवादी सोच के साथ देश पर राज किया है, जिनकी ताकत इतनी हुआ करती थी कि देश में इनकी मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिलता था। इनके एक इशारे पर प्रदेश की सरकारों की तकदीर बनती बिगड़ती थी। मुख्यमंत्री और सरकारें रातोंरात बदल और गिरा दी जाती थीं। इनके द्वारा राजशाही तरीके से देश को आपातकाल में झोंक दिया जाता था,जिनके द्वारा अपने हिसाब से देश की आजादी का इतिहास लिखवाया गया,जिसको चाहा अपमानित किया गया और जिसे चाह सिर आंखों पर बैठा दिया गया। इसी लिये वीर सावरकर जैसे स्वतंत्र सेनानी को यह लोग अपमानित करते हैं।सुभाष चन्द्र बोस को परेशान किया गया।

कांग्रेस आज भी इसी सोच के साथ जी रही है कि जो वह कहें वही पत्थर की लकीर है,उसे कोई काट नहीं सकता है। इससे ज्यादा दुख की बात यह है कि इंडिया गठबंधन के कुछ सहयोगी भी इससे इतिफाक रखते हैं,जिसमें आजकल समाजवादी पार्टी के दूसरी पीढ़ी के नेता पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का नाम भी भी शीर्ष पर मौजूद है। मुलायम सिंह यादव जो ताउम्र कांग्रेस के खिलाफ लड़ते रहे,आपातकाल में जेल गये,उन्हीं के बेटे अखिलेश यादव तब उतेजित हो जाते हैं जब बीजेपी के नेता राहुल गांधी से उनकी जाति पूछ लेते हैं। वह सदन में चिल्लाने लगते हैं कि राहुल गांधी की जाति कैसे पूछी,जबकि राहुल-अखिलेश की जोड़ी अपनी राजनीति चमकाने के लिये समय-बेसमय किसी की भी जाति पूछकर उसका उपहास उड़ाने या उसके सहारे अपनी राजनीति चमकाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। बहुत दिन नहीं हुए, जब यह दोनों नेता लोगों और विशेषकर अधिकारियों एवं मीडिया वालों की जाति पूछते थे, लेकिन जब लोकसभा में बीजेपी के एक नेता ने गोलमोल शब्दों में उनकी जाति पूछ ली तो वह उछल पड़े,जबकि राहुल का नाम लिये बिना बीजेपी के मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में तंज कसा था कि जिन्हें अपनी जाति का पता नहीं, वे उसके गणना की मांग कर रहे है।यह बात राहुल और उनकी टीम के सदस्यों को इनती बुरी लगी कि इन्होंने हंगाम खड़ा कर दिया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के नेता संसद के भीतर और बाहर आपे से बाहर हो गए। इनमें कांग्रेस के वे नेता भी है, जो लोगों की जाति जानने की राहुल गांधी की अपरिपक्त राजनीति को उनका मास्टर स्ट्रोक बताया करते थे। सवाल यही है कि कोई अपरिक्त नेता जब हर तफर घूम-घूमकर सबकी जाति जानने की कोशिश करेगा तो फिर उसे अपनी भी जाति बताने के लिए तैयार रहना चाहिए,जैसा भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति के बारे में पूछा था। राहुल गांधी इस कटाक्ष को अपना अपमान बता रहे है। यह वही राहुल हैं, जो चंद दिन पहले लोकसभा में भाजपा नेताओं को दुर्योधन, शकुनी आदि बताते में लगे हुए थे। इसके पहले वह एक जनसभा में यह कह चुके हैं कि प्रधानमंत्री मोदी तो ओबीसी हैं ही नहीं,जबकि इसके उलट तमाम लोग राहुल गांधी को तो हिन्दू ही नहीं मानते हैं।

यह एक सामान्य बात है कि किसी को भी दूसरों के साथ वैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए, जैसा उसे अपने लिए पसंद न हो,लेकिन राहुल गांधी हों या फिर अन्य कुछ नेता इससे इत्तेफाक नहीं रखते हैं। अनुराग ठाकुर के बयान पर संसद में जो हंगामा हुआ, वह केवल राहुल गांधी का अपनी खीझ मिटाने और जनता का इस मुद्दें से ध्यान हटाने के अलावा कुछ नहीं था। यह हास्यास्पद ही है कि अनुराग ठाकुर के बयान का समर्थन करने के कारण कांग्रेस प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस देने पर विचार ले आई।क्योंकि मोदी ने अनुराग के भाषण वाला वीडियो फारवर्ड कर दिया था। बहरहाल, संसद में आज जाति के नाम पर जो घमासान हो रहा है,उसकी नींव कांग्रेस ने बहुत पहले ही रख दी थी। आजादी के बाद कांग्रेस ही तो थी,जिसने अंग्रेजों के डिवाइड एंड रूल वाले फार्मूले को जिंदा रखा था। जातिवादी राजनीति का ही नतीजा है कि समाज बंटता जा रहा है।जब नेताओं को देश को जाति की राजनीति से बाहर लाने की कोशिश की जानी चाहिए, तब कुछ दलों और विशेष रूप से कांग्रेस के नेता जाति की राजनीति को तूल देकर समाज में विभाजन और वैमनस्य पैदा करने में लगे हुए हैं।

वे यह कहकर जाति की गणना की मांग करने में लगे हुए हैं कि इससे ही समस्त समस्याओं का समाधान होगा और सामाजिक न्याय का लक्ष्य हासिल होगा। यदि जाति गणना इतनी ही आवश्यक थी तो दशकों का लक्ष्य हासिल होगा। यदि जाति गणना आवश्यक थी तो दशकों तक केंद्र की साा में रही कांग्रेस ने ऐसा क्यों नहीं किया? प्रश्न यह भी है कि क्या लोगों की जाति जाने बिना उन्हें गरीबी से बाहर निकालने और शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के प्रश्न हल करना संभव नहीं? हर कोई इससे अच्छी तरह परिचित है कि जाति की राजनीति ने समाज को विभाजित करने के साथ सामाजिक न्याय की राह में मुश्किल पैदा की है, फिर भी कुछ नेता अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए समाज को जातियों में बांटने में लगे हुए हैं। जातीय वैमनस्य के रूप में इसके दुष्परिणाम सामने है, लेकिन जातिवादी नेता यह देखने-समझने को तैयार नहीं। हमारे समाज में तो केवल दो ही जातियां होनी चाहिए-अमीर एवं गरीब और उनका ही पता लगाया जाना चाहिए। कांग्रेस हो या फिर समाजवादी पार्टी अथवा राष्ट्रीय जनता दल जैसी पार्टियों के नेता एक तरफ तो वह जातीय जनगणना की बात करते हैं,लेकिन जब मुसलमानों में जातीय मतभेद को लेकर सवाल पूछे जाते हैं तो इनके मुंह पर ताले पड़ जाते हैं। क्योंकि मुसलमानों में जातीय भेदभाव से इनका वोट बैंक बंट जायेगा। राहुल गांधी जैसे अपरिपक्त नेताओं को समझना चाहिए की जातीय भेदभाव करके वह कुछ समय के लिये अपनी राजनीति को आगे बढ़ा सकते हैं,लेकिन हमेशा ऐसा होने वाला नहीं है। आम चुनाव में भी यही बात नज़र आई हैंाी

नजरिया

लोकतांत्रिक खतरे का आगाज

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009415415

देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण, अब परिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं का परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्क बुद्धि एवं और अदूरदर्शिता के कारण कई बार जनता के दूरगामी लाभ के स्थान पर तात्कालिक लाभ की प्रक्रिया से अवसरवादी अभिमत तथा तुष्टीकरण की नीति से जनता के लाभ के अवसर को दूर ले जाते हैं। राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवृत्ति जनता को तुरंत लाभ देने की नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है एवं इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती है।

जनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर शोषण करना अंततः राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा चरित्र को जन्म देती हैश्र अवतारवाद राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव आशीर्वाद तथा पद लोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने सदस्य है यह अलग मुद्दा है कि जन भावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकते और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पद लोलुपता अवसरवादिता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती हैं। भारतीय परंपरा में भी शाम दाम दंड भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है पर इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ-साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैं। यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं, और यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत चले जाते हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैं। अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है। भारतीय संविधान में भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के छोटे-छोटे छिद्रों से राजनीतिक दल अवसर के जो ताने बाने बुनते हैं उससे राजनैतिक एवं ऐतिहासिक प्रति मानव को हमेशा नुकसान ही हुआ है। अब राजनीति में सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बहुत निम्न स्तर पर पहुंच गई है जिससे लोकतांत्रिक नीतियों और सिद्धांतों में बहुत ज्यादा विसंगतियां पैदा हो चुकी हैं। लोकतंत्र में बहुमत के साथ अधिनायकवाद अवतारवाद सत्ता लोलुपता और जातिगत समीकरणों का गलत तरीके से उपयोग सामंतवादी आ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को जन्म दे सकता है। जातिवादी मतदान की लोकप्रियता वादी मजबूरी के कारण खाप पंचायतों का उदय हुआ है जो पंचायती लोकतंत्र को प्रतिस्थापित कर के मूलभूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के पतन का कारण भी बन सकता है। धर्म तथा धार्मिक प्रथाओं में समानता एवं स्वतंत्रता का हनन धार्मिक लोकतंत्र के अंत का ही स्वरूप है, जिसका कारण तुष्टीकरण आधारित लोकप्रियता वाद एवं अवतारवाद हो सकता है। पशु व्यापार गोवंश के पद पर एकतरफा प्रतिबंध को भी भारतीय लोकतंत्र के समानता स्वतंत्रता एवं धर्मनिरपेक्षता के आदेशों पर एक नकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। अवतारवाद जातिवादी राजनीति और पद लोलुपता तानाशाही प्रवृत्ति को जन्म दे सकते हैं। अति राष्ट्रवादी होने के स्वरूप को ऑन कर तानाशाही की प्रवृत्ति को आम जनता के ऊपर लागना सैनिक तानाशाही अधिनायकवाद तथा फासीवाद को भी जन्म देने की प्रक्रिया के अंग हैं।

लोकतंत्र में राजशाही की तरह शासकीय धन का मनमाना दुरुपयोग एक अनैतिकग प्रक्रिया है एवं यह सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने का निम्न स्तरीय हथकंडा भी है। इससे न सिर्फ जनता पर करों का बोझ पड़ता है बल्कि सार्वजनिक रूप से किए जाने वाले जनहित के कार्यों का भीक अवरोध बन जाता है। चुनाव में मतदान को प्रभावित करने के लिए टीवी में मोबाइल फोन लैपटॉप आदि का प्रॉब्लम भी लोकप्रियता किंतु आर्थिक दूरदर्शी एवं लोकतांत्रिक न्याय के प्रतिकूल है। बीसवीं सदी के लगभग सभी थाना गांव द्वारा किस प्रकार के सैनिक राष्ट्रवाद द्वारा सस्ती लोकप्रियता पाकर लोकतंत्र को रोकने का प्रयास किया गया। पाकिस्तान म्यानमार उत्तर कोरिया देशों में व्यापक सुरक्षा हिंसा आतंकवाद पर नियंत्रण की लूट प्रिय तावादी धारणा का प्रयोग सैन्य प्रभाव को बरकरार रखने के लिए रो रहा है।

लोकतंत्र का सदैव उद्देश्य तथा आदर्श जनता का समर्थन प्राप्त करना जनता किसानों की छांव की पूर्ति करना एवं जनता की हर सुविधा का ध्यान रखना है। पर देश का लोकतंत्र सत्ताचरिता, अवसरवादिता एवं एल्केन सत्तारूढ़ बने रहने की जुगत में क्षतिग्रस्त होता जा रहा है लोकतंत्र की भविष्य की संभावनाएं एवं उसके स्तंभ कमजोर होते जा रहे हैं ऐसे में देश के समृद्ध एवं प्रबुद्ध वर्ग को पहल करने आगे आना होगा वरना लोकतंत्र के दुरुपयोग के दूरगामी परिणाम विध्वंसकारी भी हो सकते हैं। पता अवसरवादी लोकप्रियता वादी विचारों के असंतुलित तात्कालिक लाभों के स्थान पर बहुआयामी लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही संतुलित विकास एवं समायोजन पर ध्यान देना चाहिए।परिणाम स्वरूप जनता, सरकार, राजनीतिक दल, मीडिया, सिविल सोसाइटी तथा अन्य सभी के हित की दृष्टि में बहुत ही व्यापक तथा दूरगामी परिणाम लाने वाले लोकतांत्रिक स्तंभ को एकजुट होकर सामाजिक संतुलन बनाए रखना होगा। एवं हम सभी के समेकित प्रयास से लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों एवं उसकी मूलभूत अवधारणाओं की रक्षा हो सकेगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ट्रंप ने हैरिस की पहचान पर सवाल उठाया : वह अश्वेत हैं या भारतीय?

वाशिंगटन/भाषा। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कमला हैरिस के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी करते हुए उनसे पूछा कि वह ''भारतीय हैं या अश्वेत''। इस पर डेमोक्रेटिक पार्टी की उनकी प्रतिद्वंद्वी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और पूर्व राष्ट्रपति की टिप्पणी को विभाजनकारी और अनादर का वही पुराना राग अलापना बताया। ट्रंप (78) ने झूठा दावा किया कि उपराष्ट्रपति हैरिस ने केवल अपनी एशियाई-अमेरिकी विरासत पर ही जोर दिया है जबकि उन्होंने दावा किया कि ''वह एक अश्वेत हैं।''

ट्रंप ने बुधवार को शिकागो में 'नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्लैक जर्नलिस्ट्स' सम्मेलन में कहा, ''मैं उन्हें लंबे समय से अप्रत्यक्ष रूप से जानता हूं। वह हमेशा से भारतीय मूल की बताती थीं और केवल भारतीय मूल को बढ़ावा दे रही थीं। कई साल पहले तक मुझे नहीं पता था कि वह अश्वेत हैं, अब वह अश्वेत के रूप में पहचान बनाना चाहती हैं।'' उन्होंने कहा, ''तो मुझे नहीं पता वह भारतीय हैं या वह अश्वेत हैं?''

फ़िल्म वेदा का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम की आने वाली फिल्म वेदा का टीजर रिलीज कर दिया गया है। जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसमे जॉन अब्राहम कहते हुए नजर आते है कि झगड़ना नहीं आता मुझे सिर्फ जंग लड़नी आती है। जिसके बाद एक व्यक्ति पूछता है कि कौन है वे तब जान अब्राहम कहते हैं कि बाप। फिल्म वेदा पहले 12 जुलाई 2024 को रिलीज होने वाली थी। लेकिन इस फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया। बता दे कि जॉन निखिल आडवाणी निर्देशित फिल्म वेदा अब 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'कल्कि 2898 एडी' उत्तरी अमेरिका में सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में दूसरे स्थान पर पहुंची

मुंबई/एजेन्सी

नाग अश्विन निर्देशित और वैजयंती मूवीज़ निर्मित फिल्म कल्कि 2898 एडी उत्तरी अमेरिका में सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। कल्कि 2898 एडी ने वैश्विक स्तर पर भारतीय सिनेमा में इतिहास रच दिया है। कई रिकॉर्ड तोड़ते हुए, इस फिल्म ने न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाया है। हाल ही में, इसने उत्तरी अमेरिका में सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में दूसरा स्थान प्राप्त करने की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।इसकी वर्तमान कमाई 18.5 मिलियन डॉलर से अधिक है, जो पठान, जवान और आरआरआर जैसी कई अन्य भारतीय फिल्मों से अधिक है। कल्कि 2898 एडी को पौराणिक तत्वों, शानदार कास्टिंग और शानदार वीएफएक्स के साथ जुड़े इसके भविष्यवादी विषय के लिए सराहा गया है। फिल्म कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास और दीपिका पादुकोण की अहम भूमिका है।

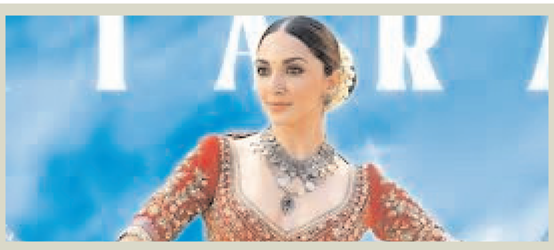

किआरा आडवाणी के जन्मदिन पर गेमचेंजर से नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री किआरा आडवाणी के जन्मदिन के अवसर पर उनकी आने वाली फिल्म गेमचेंजर से उनका नया पोस्टर रिलीज हुआ है। किआरा आज अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं।किआरा जल्द ग्लोबल स्टार राम चरण के साथ फिल्म 'गेम चेंजर' में नजर आएगी। मेकर्स ने किआरा के जन्मदिन पर गेमचेंजर से उनका एक नया पोस्टर रिलीज किया है। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के आधिकारिक एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट पर किआरा का पोस्टर साझा किया गया है, जिसमें वह जगरांडी गाने वाले लुक में नजर आ रही हैं और कैप्शन में लिखा, टीम गेम चेंजर की तरफ से हमारी जाबिलम्मा अका किआरा को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

ए वेडिंग स्टोरी का मोशन पोस्टर रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

हॉरर फिल्म ए वेडिंग स्टोरी का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। अभिनव पारीक निर्देशित ए वेडिंग स्टोरी,30 अगस्त को रिलीज़ होने वाली है, लेकिन उससे पहले निर्माताओं ने फिल्म के मोशन पोस्टर के साथ प्रशंसकों को रहस्यमय दुनिया की एक डरावनी झलक दी है।इस सुपरनैचरल हॉरर फिल्म की कहानी एक खुशहाल शादी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जल्द ही एक बुरे सपने में बदल जाती है क्योंकि अशुभ घटनाएं होने लगती हैं। ए वेडिंग स्टोरी में मुक्ति मोहन, वैभव तत्ववादी, लक्षवीर सिंह सरन, मोनिका चौधरी, अक्षय आनंद, डॉ. प्लोम खुराना और पीलू विद्यार्थी की मुख्य भूमिका है। ए वेडिंग स्टोरी का निर्माण विनय रेड्डी ने किया है तथा इसका लेखन और निर्माण शुभो शेखर भट्टाचार्य ने बाउंडलेस ब्लैकबक फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले किया है।

मोची ने राहुल गांधी द्वारा सिली गई चप्पल के लिए 10 लाख रुपए की पेशकश ठुकराई

सुलतानपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले के कूरेभार क्षेत्र के विधायक नगर में स्थित मोची राम चेत का कहना है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सिली गई चप्पल के लिए उन्हें 10 लाख रुपए तक की पेशकश की गई है, लेकिन उन्होंने इस सौदे को ठुकरा दिया और इसके बजाय वह कांच के फ्रेम में उस भाग्यशाली चप्पल को रखना चाहते हैं।

जिले के कूरेभार क्षेत्र के विधायक नगर में स्थित राम चेत मोची की दुकान पर पिछले दिनों राहुल गांधी के बैठने पर आज राम चेत सुर्खियों में है। राहुल गांधी के उनकी दुकान पर बैठने से उनका भाग्य ही बदल गया है।

राम चेत से जब यह पूछा गया कि राहुल गांधी जब से आपकी दुकान पर आए हैं आप कैसा महसूस कर रहे हैं, तो राम चेत ने कहा, '' मेरी तो दुनिया ही बदल गई है। मुझे जो कोई नहीं जानता था अब मेरी दुकान पर आकर मेरे साथ सेल्फी लेते हैं।''

यह पूछे जाने पर कि जिस चप्पल की राहुल गांधी ने सिलाई की थी अब उसकी बोली लग रही है। इस पर राम चेत ने कहा,'' मेरे पास बहुत फोन आ रहे हैं उस चप्पल को देने के लिये। उस चप्पल की कीमत दस लाख रुपए तक लग चुकी है। मैंने कहा कि मैं इस चप्पल को नहीं दे सकता क्योंकि यह चप्पल मेरे लिए भाग्यशाली है।'' उन्होंने दावा करते हुए कहा, '' मंगलवार को मेरे पास प्रतापगढ़ से फोन आया कि जो चप्पल राहुल गांधी जी ने सिला है वह मुझे दे दो मैं तुम्हें पांच लाख रुपए दूंगा। मैंने कहा कि यह चप्पल मैं नहीं दूंगा। उसने कहा कि यदि रुपए कम हो तो मैं दस लाख रुपए दूंगा। मैंने कहा कि मुझे चप्पल नहीं बेचना है फोन रखो।''

जब यह पूछा गया कि इस चप्पल का वह क्या करेंगे तो राम चेत ने कहा,'' मैं इसे शीशे में फ्रेम कराकर अपनी दुकान में रखूंगा। राहुल गांधी अब हमारे दुकान के पार्टनर हो गए हैं।''

यह पूछे जाने पर कि वह कैसे आपके पार्टनर हुए तो राम चेत ने कहा, '' मेरी दुकान पर बैठकर राहुल गांधी ने चप्पल की सिलाई का काम किया है इसलिए वह मेरे पार्टनर हैं।''

यह पूछे जाने पर कि जब से राहुल गांधी उनकी दुकान पर बैठें हैं उसके बाद अपने को आप कैसे महसूस करते हैं तो, राम चेत ने कहा, '' यह फर्क पड़ा है कि राहुल गांधी जी के मेरी दुकान पर आने के बाद मेरे पास सरकारी विभाग के लोग आकर मेरी समस्या को जानने के लिये पूछताछ करने आ रहे हैं।''

आज रिलीज होगी फिल्म 'अग्निसाक्षी'

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के दो बड़े सुपरस्टार प्रदीप पांडेय चिंटू और अक्षरा सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म अग्निसाक्षी 02 अगस्त को देशभर में रिलीज होगी। अग्निसाक्षी विश्व प्रसिद्ध कांस फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होने वाली पहली भोजपुरी फिल्म बनी, जहां इसे दर्शकों और समीक्षकों से सराहना मिली। इस फिल्म के निर्माता - निर्देशक- राजकुमार आर पांडेय हैं, जिन्होंने बताया कि फिल्म रिलीज को पूरी तरह से तैयार है और कल दो अगस्त देशभर में इस फिल्म भव्यता के साथ रिलीज किया जा रहा है। राजकुमार आर पांडेय ने कहा कि अग्निसाक्षी एक प्रेम कहानी है, जिसमें सामाजिक मुद्दों का भी समावेश है।

फिल्म की कहानी दर्शकों को बांधे रखने में सक्षम है और इसमें कई ट्विस्ट और टर्न्स हैं जो दर्शकों को अंत तक जोड़े रखेंगे। हम देशभर के यही दर्शकों से अपील करेंगे कि वे सिनेमाघरों में आकर इस फिल्म का आनंद लें और इसे सफल बनाएं। फिल्म के गाने पहले ही हिट हो चुके हैं। गानों की मधुर धुनें और सुंदर बोल ने संगीत प्रेमियों के बीच अपनी खास पहचान बनाई है। फिल्म को हमने बड़ी बारीकी से बनाया है, जिसमें रोमांस, ड्रामा और एक्शन का बेहतरीन मिश्रण है।

फिल्म अग्निसाक्षी में प्रदीप पांडेय चिंटू के साथ अक्षरा सिंह,तनुश्री, राज सिंह राजपूत, आकाश यादव, विपिन सिंह, ग्लोरी महानता, मनोज द्विवेदी, लाखन भारद्वाज पंडित, उदय श्रीवास्तव, प्रिया पांडेय, के के गोस्वामी, शकीला मजीद, मंटू लाल, सुमित सिंह श्रीनेत्राअजीत मंडल, ओम साव, जे नीलम तथा संजय पांडेय कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म अग्निसाक्षी के कैमरामैन देवेंद्र तिवारी, गीतकार-संगीतकार राजकुमार आर पांडेय हैं। कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी और मनोज गुप्ता हैं। एक्शन प्रदीप खड़का है। आर्ट शेरा, प्रोडक्शन हेड महेश उपाध्याय, प्रोडक्शन कंट्रोलर आशीष दुबे और प्रोडक्शन मैनेजर मुकेश तिवारी हैं। सहायक निर्देशक अजय सिवान, सोनू सिंह, राजन सोनी हैं।

स्थापना दिवस

कोलकाता में गुरुवार को टीएमसी स्थापना दिवस के पोस्टर जारी करने के दौरान टीएमसी कार्यकर्ता।

कंगना का सवालः क्या सीआईएसएफ कर्मियों के व्यवहार पर निगरानी की कोई प्रणाली है?

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने बृहस्पतिवार को सरकार से सवाल किया कि क्या सरकार के पास हवाई अड्डों पर तैनात सीआईएसएफ कर्मियों पर किसी भी तरह की नकारात्मकता के असर के बारे में पता करने के लिए कोई निगरानी प्रणाली है।

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर पिछले महीने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की एक महिला कर्मी ने कंगना को कथित तौर पर थप्पड़ मारा था।

हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद रनौत ने लोकसभा में नागरिक उड्डयन मंत्रालय से लिखित प्रश्न के माध्यम से सीआईएसएफ कर्मियों को लेकर यह जानकारी मांगी। उनके मुताबिक, वह यह जानना चाहती हैं कि क्या सरकार के पास हवाई अड्डों पर सीआईएसएफ कर्मियों की जांच के लिए कोई निगरानी प्रणाली है ताकि उन कुछ नकारात्मक तत्वों या गतिविधियों में उनकी संलिप्तता या प्रभाव के बारे में पता चल सके जिनके परिणामस्वरूप यात्रियों के साथ बुरा व्यवहार होता है।

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने लिखित उत्तर में कहा कि हवाई अड्डों पर तैनात सीआईएसएफ कर्मियों के पेशेवर आचरण को सुनिश्चित करने के लिए किए गए उपायों में एक व्यक्तिगत सूचना प्रणाली, एक वेब-आधारित परियोजना शामिल है, जहां तैनात कर्मियों का व्यक्तिगत एवं पेशेवर परिचय पर्यवेक्षी अधिकारियों द्वारा अपडेट किया जाता है। मोहोल ने कहा, ''कुछ नकारात्मक तत्वों की भागीदारी/प्रभाव के बारे में जानने के लिए यूनिट/जोन/सेक्टर स्तर पर सीआईएसएफ कर्मियों की सोशल मीडिया निगरानी की जाती है।''

मंत्री के अनुसार, सीआईएसएफ कर्मियों को नियमित व्यवहार और विनम्र रुख अपनाने के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ कर्मियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए नियमित रूप से यूनिट स्तर पर प्रेरक और जागरूकता सत्र आयोजित किए जाते हैं ताकि वे अपने कर्तव्यों को परिश्रमपूर्वक और पेशेवर रूप से निभा सकें। गत 6 जून को रानौत ने कहा था कि चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान एक महिला सीआईएसएफ कांस्टेबल द्वारा उन्हें थप्पड़ मारा गया।

प्रदर्शन

अमृतसर में गुरुवर को पुलिस द्वारा ड्रोन और पेलेट गन के कथित इस्तेमाल को लेकर हरियाणा और केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान किसान नारे लगाते हुए।

'छठी मैया की बिटिया' में छह किरदार निभाएंगी सारा खान

मुंबई/एजेन्सी

'सपना बाबुल का... बिदाई' में साधना का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई सारा खान इन दिनों 'छठी मैया की बिटिया' शो को लेकर चर्चाओं में है। वह इसमें एक नहीं, दो नहीं... बल्कि एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले डबल रोल निभाए हैं, लेकिन कभी छह किरदार नहीं निभाए। यह उनके लिए अलग अनुभव होगा। सारा 'छठी मैया की बिटिया' में छह कृतिकाओं का किरदार निभा रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा: जब निर्देशक ने मुझे पहली बार उस सीन के बारे में बताया, जिसमें मैं एक ही फ्रेम में छह अलग-अलग किरदारों के रूप में नजर आऊंगी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ एक प्रोमो के लिए है, कुछ विजुअल इफेक्ट बनाने के लिए या मेरे एंट्री सीन के लिए। उन्होंने बताया कि उन्हें हर सीन में अपने सभी छह किरदारों के साथ अकेले अभिनय करना था, जो एक चुनौतीपूर्ण काम था।

उन्होंने आगे कहा, मैं सोच रही थी कि क्या हो रहा है। हर सीन में मैं खुद से बात कर रही थी, सवाल पूछ रही थी और उनका जवाब दे रही थी, और अकेले ही चीजों पर रिएक्ट कर रही थी। मैं सोचती रही कि यह कब तक चलता रहेगा। उन्होंने कहा, बाद में, मैंने कृतिकाओं की कहानी सुनी, जो सात ऋषि मुनियों से शादी करने वाली छह महिलाएं जिन्होंने कार्तिक का पाला था। बाद वही छह कृतिकाएं मिलकर छठी मैय्या बनीं। इस कहानी को सुनने के बाद मुझे समझ आया कि मुझे कई भूमिकाएं निभानी होंगी। एक्ट्रेस ने कहा कि यह उनके करियर में अब तक किए गए सभी रोल्स की तुलना में बेहद अलग और नया था। सारा ने कहा, मैंने पहले भी डबल रोल किए हैं, लेकिन कभी एक फ्रेम के लिए छह भूमिकाएं नहीं निभाईं। इसलिए, जब मुझे शूटिंग के पहले दिन इस बारे में पता चला, तो यह मेरे लिए चौंकाने वाला था। 'छठी मैया की बिटिया' में अनाथ वैष्णवी (एक्ट्रेस वृंदा दहल) की कहानी है। वह छठी मैया को अपनी मां मानती है। छठी मैया अपने भक्तों की जीवन भर रक्षा करती हैं और उनका मार्गदर्शन करती हैं। इस शो में सारा खान के अलावा, देवोलीना भट्टाचार्जी, जया भट्टाचार्य, वृंदा दहल और आशीष दीक्षित भी हैं। 'छठी मैया की बिटिया' सन नियो पर प्रसारित होता है। बता दें कि सारा खान ने साल 2007 में सीरियल 'सपना बाबुल का... बिदाई' से टीवी की दुनिया में कदम रखा था। इस शो में साधना के रोल से वह घर-घर में जानी गईं। इसके बाद वह जी टीवी के शो 'प्रीत से बंधी ये डोरी राम मिलाई जोड़ी' में मोना के किरदार में नजर आईं।

जन्म के समय पिता मीना को अनाथालय छोड़ आये थे

मुंबई/एजेन्सी

अपने दमदार और संजीदा अभिनय से सिने प्रेमियों के दिलों पर राज करने वाली ट्रेजडी क्वीन मीना कुमारी को उनके पिता अनाथालय छोड़ आए थे। एक अगस्त 1932 का दिन था। मुंबई में एक क्लीनिक के बाहर मास्टर अली बक्श नाम के एक शख्स बड़ी बेसब्री से अपनी तीसरी औलाद के जन्म का इंतजार कर रहे थे। दो बेटियों के जन्म लेने के बाद वह इस बात की दुआ कर रहे थे कि अल्लाह इस बार बेटे का मुंह दिखा दे, तभी अंदर से बेटी होने की खबर आयी तो वह माथा पकड़ कर बैठ गये।मास्टर अली बख्श ने तय किया कि वह बच्ची को घर नहीं ले जायेंगे और वह बच्ची को अनाथालय छोड़ आये लेकिन बाद में उनकी पत्नी के आंसुओं ने बच्ची को अनाथालय से घर लाने के लिये उन्हें मजबूर कर दिया। बच्ची का चांद सा माथा देखकर उसकी मां ने उसका नाम रखा माहजबीं। बाद में यही माहजबीं फिल्म इंडस्ट्री में मीना कुमारी के नाम से मशहूर हुई।

वर्ष 1939 मे बतौर बाल कलाकार मीना कुमारी को विजय भट्ट की लेदरफेस में काम करने का मौका मिला। वर्ष 1952 मे मीना कुमारी को विजय भट्ट के निर्देशन में ही बैजू बावरा मे काम करने का मौका मिला। फिल्म की सफलता के बाद मीना कुमारी बतौर अभिनेत्री फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने मे सफल हो गई।वर्ष 1952 मे मीना कुमारी ने फिल्म निर्देशक कमाल अमरोही के साथ शादी कर ली।वर्ष 1962 मीना कुमारी के सिने कैरियर का अहम पड़ाव साबित हुआ। इस वर्ष उनकी आरती,मै चुप रहूंगी.और साहिब बीबी और गुलाम जैसी फिल्में प्रदर्शित हुई। इसके साथ हीं इन फिल्मों के लिये वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री

जन्मदिवस पर विशेष

के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामित की गई। यह फिल्म फेयर के इतिहास मे पहला ऐसा मौका था जहां एक अभिनेत्री को फिल्म फेयर के तीन नोमिनेशन मिले थे।

वर्ष 1964 में मीना कुमारी और कमाल अमरोही की विवाहित जिंदगी मे दरार आ गई। इसके बाद मीना कुमारी और कमाल अमरोही अलग अलग रहने लगे। कमाल अमरोही की फिल्म ..पाकीजा ..के निर्माण में लगभग चौदह वर्ष लग गए। कमाल अमरोही से अलग होने के बावजूद मीना कुमारी ने शूटिंग जारी रखी क्योंकि उनका मानना था कि पाकीजा जैसी फिल्मों में काम करने का मौका बार बार नहीं मिल पाता है।मीना कुमारी के करियर में उनकी जोड़ी अशोक कुमार के साथ काफी पसंद की गई। मीना कुमारी को उनके बेहतरीन अभिनय के लिये चार बार फिल्म फेयर के सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से नवाजा गया है। इनमें बैजू बावरा,परिणीता,साहिब बीबी और गुलाम और काजल शामिल है।

मीना कुमारी यदि अभिनेत्री नहीं होती तो शायर के रूप में अपनी पहचान बनाती। हिंदी फिल्मों के जाने माने गीतकार और शायर गुलजार से एक बार मीना कुमारी ने कहा था , ये जो एक्टिग मैं करती हू उसमें एक कमी है .ये फन. ये आर्ट मुझसे नही जन्मा है ख्याल दूसरे का .किरदार किसी का और निर्देशन किसी का। मेरे अंदर से जो जन्मा है .वह लिखती हूं जो मैं कहना चाहती हूं वह लिखती हूं।मीना कुमारी ने अपनी वसीयत में अपनी कविताएं छपवाने का जिम्मा गुलजार को दिया जिसे उन्होंने ..नाज..उपनाम से छपवाया। अपने संजीदा अभिनय से दर्शको के दिल पर राज करने वाली मीना कुमारी 31 मार्च 1972 को अलविदा कह गयी।मीना कुमारी के करियर की अन्य उल्लेखनीय फिल्में है..आजाद,एक हीं रास्ता,यहूदी,दिल अपना और प्रीत पराई,कोहीनूर,दिल एक मंदिर,चित्रलेखा,फूल और पत्थर,बहू बेगम,शारदा,बंदिश,भींगी रात,जवाब,दुश्मन आदि।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

कर्म हमारे साथ चलते हैं। कर्म के कारण हमारे जीवन में कई परिस्थितियां बनती है। उसी समय हमारे मन में जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि कर्म ही हमारे साथ चलते हैं या और कुछ भी है, जो साथ चलते हैं। भगवान कहते हैं ज्ञान इस भव में उपयुक्त है, परभव में भी साथ देगा। ज्ञान दोनों जगह साथ होगा। आज हमारे समाज में शिक्षा का महत्व बढ़ रहा है। जो व्यवहार की शिक्षा आप लेते हो, वह जीवन पर्यन्त सुखी रखती है। सम्यक् ज्ञान को अपने साथ लिया, तो वह जीवन में साथ देगा। आपको ज्ञान है तो घबराने, डरने की जरूरत नहीं है। ज्ञान और दर्शन इस भव और परभव दोनों जगह साथ में रहते हैं।

आचार्य आनंद ऋषि का लक्ष्य ज्ञान को सबमें बांटना रहता था : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने नौ दिवसीय आनंद जन्मोत्सव के पांचवें दिन धर्मसभा में कहा कि आचार्य आनंद ऋषिजी में करुणा के भाव कूट- कूट कर भरे थे। उनकी ज्ञान साधना का लक्ष्य था भीतर में रही हुई करुणा को प्रकट करना। वास्तविकता में उनका ज्ञान और ज्ञानियों के प्रति अहोभाव जागा। ऐसे ज्ञान में आगे बढ़ने की क्षमता रहती है। विपरित परिस्थितियों में भी उन्होंने अपनी ज्ञान साधना को आगे बढ़ाया। ज्ञान के प्रति लगन तपस्या, साधना है। उनका एक सूत्र था जो करना है, लगन से करना, रोते हुए मत करो। ज्ञान के लगन की उन्होंने तल्लीनता से साधना की। उनके स्वरों में मधुरता थी। उनके प्रवचन बहुत ही अद्भुत व सरल होते थे। वे जिस विषय से शुरुआत करते थे, अंत उसी विषय के अनुकूल करते थे।

उन्होंने कहा शास्त्रकार कहते हैं जितने भी अज्ञानी जीव है, वे सभी दुःख का अनुभव कर रहे हैं, दुःख को उत्पन्न कर रहे हैं और दुःख में जी रहे हैं। संसार को चक्की की उपमा दी गई है। जो किए हुए धर्म को पकड़ लेता है, वह तिर जाता है। सारा संसार जागते हुए भी पीड़ा पा रहा है। उन्होंने कहा हमारे यहां तीन तत्व है देव, गुरु और धर्म। देव अरिहंत परमात्मा है। गुरु साधु-साध्वी है और धर्म दयामय है। हमारी आत्मा का दर्शनगुण देव हैं, ज्ञानगुण गुरु है। आनंद ऋषिजी ज्ञान का महत्व जानते थे। उनका लक्ष्य ज्ञान को सबमें बांटना रहता था। उनके प्रवचनों में कबीर, तुलसीदास के पद होते थे। विभिन्न धर्मों और भाषाओं का ज्ञान होने से जैनेतर लोग उनके प्रवचनों से जुड़ते थे। वे लोग अपनापन महसूस करते थे। उनकी प्रवचन की पुस्तक कहीं से भी पढ लो, आपको महसूस होगा कि यह घटना आज मेरे साथ घट रही है। स्थानीय मराठी जनता को जैन धर्म समझ में आए, इसलिए मेरी भावना की पुस्तक उनको पढ़ने के लिए देते थे।

उन्होंने कहा लोगों को जैन धर्म की शिक्षा पहुंचाना उनका लक्ष्य था। जैन समाज में परीक्षा के माध्यम से ज्ञान को जगाने का पहले प्रयास का उपक्रम उन्होंने शुरू किया। 1936 में शुरू हुए यह पाठ्यक्रम किसी समुदाय, धारणा या परंपरा को प्रभावित नहीं करती बल्कि केवल जैन धर्म के अनुसार रहता था। उनका पाठ्यक्रम पाकिस्तान में भी पढ़ाया जाता था। आज हमें यही प्रेरणा लेनी है कि हम ज्ञान साधना को ग्रहण करने का पुरुषार्थ करेंगे और दूसरों के अध्ययन में सहायक बनेंगे। गुरुवार को नवकार मंत्र जप के लाभार्थी रुकमादेवी इंदरचंद कोठारी परिवार थे। इस दौरान आरक्कोणम स्थित आनंद महिला मंडल की सदस्याएं युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित रहीं। कमल छल्लाणी ने सभा का संचालन किया।

सेलम रेलवे स्टेशन पर राजस्थानी एसोसिएशन द्वारा पेयजल आर ओ प्लांट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहां गुरुवार कोराजस्थानी एसोसिएशन द्वारा सेलम रेलवे जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या पांच पर स्वच्छ पेय जल निकाय यंत्र (आर ओ प्लांट विद डिस्पेंसर) स्थापित किया गया। एसोसिएशन अध्यक्ष मांगीलाल सीरवी ने इस अवसर पर प्रमुख अतिथि एम भूपतिराजा समेत इस उद्घाटन समारोह में सम्मिलित सभी सदस्यगण का हार्दिक स्वागत किया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधश्रक एम भूपतिराजा ने दीप प्रज्ज्वलित कर परियोजना का शुभारंभ और रिब्बन गांठ खोल कर मशीन का उद्घाटन किया। मंत्री कैलाश सारडा ने कहा कि प्लेटफार्म संख्या पांच से प्रतिदिन अनेक गाड़ियां गुज़रती है परंतु यहां अभी तक मुसाफिरों के लिए स्वच्छ पेय जल की व्यवस्था नहीं थी, ऐसे में यह यंत्र लगने से यात्रियों तथा रेल कर्मियों को काफी सुविधा होगी।

प्रोजेक्ट चेयरमैन अरुण कुमार सेठिया ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इस आर ओ प्लांट के प्रायोजक विजयसिंह डुंगरवाल परिवार है और राजस्थानी एसोसिएशन का इस प्लांट के विक्रेता के साथ अगले पांच साल तक मशीन के रखरखाव का अनुबंध भी है ताकि पानी की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं आये। इस मौके पर भरत डूंगरवाल का सम्मान किया या। इस मौके पर चंद्रप्रकाश खटोर, राम खंडेलवाल, राजेश गुप्ता, नरपतसिंह डुंगरवाल, महेश पोरवाल, जब्बरसिंह राजपुरोहित समेत अनेक सदस्य उपस्थित थे।

हमें संवेदनशील बनना चाहिए : साध्वी डॉ. प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ मईलापुर में विराजित साध्वी डॉ. प्रतिभाश्री ने धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग घर को मंथन करना जानते हो। परिवार को सगे-सम्बंधी को सब को आप मेंटर करना जानते है। किसी के दुःखी को देखकर आपके आँखों में आँसू आयें क्या? इस मोबाईल के युग में आपकी मेमोरी घटी या बड़ी हैं। मोबाईल के पॉवर बड़ा और हमारी मेमोरी घट गई है। हम हर चीज को गुगल पर सर्च करते है, हमारे पास में टाइम नहीं किसी दुःखी देखकर हमारे पास में समय नहीं हैं। हमें संवेदनशील बनना चाहिए। कभी भी आप गुरु या प्रभु के सामने जाकर के आँखों में आँसू बहायें क्या? नहीं, जैसे प्रभु परमात्मा के ऊपर गौशालक ने तेजोलेश्या छोड़ी लेकिन प्रभु परमात्मा को भी कभी उस्के प्रति दुर भाव नहीं आयें। सिंह अनगार को रेवती श्राविका के आँखों में आयें प्रभु परमात्मा के प्रति। हम किसी की सहायता करने के लिये ऐसे भाव आयें हम किसी दुःखी को देखकर हमारे आँखों में आँसू आना चाहिए। परमात्मा आपकी कृपा से हमें निरोगी काया मिली और सब कुछ अच्छा मिला ऐसे सोचकर हमारे आँखों में आंसू आना चाहिए। शुक्रिया अदा करना धन्यवाद देना प्रभु को।

जीवन को संयमी व सदाचारमय बनाना चाहिए : राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री राजेशमुनिजी ने जीवन को संयम व सदाचारमय बनाने का संदेश दिया। रिषभमुनिजी ने कहा कि एक मोह के कारण ही हम प्रभु सम नहीं बन पा रहे। दुनिया का मोह अगर छूट जाय तो बाकी के कषायों से मन मुक्त हो सकता है। सबसे ज्यादा मोह अपने शरीर से रहता है, इसे छोड़ना होगा। राजेशमुनिजी ने कहा कि हमें सदैव खोजी बनकर स्व आत्मा की खोज में लगे रहना है ताकि स्व की पहचान कर गुरु के मार्गदर्शन के सहारे मोक्ष तक पहुंच जाएं। यह धरती कभी भी तीर्थकरों से खाली नहीं होती और इस धर्म की वजह से ही धरती बची हुई है। मुनिश्री ने कहा कि हम किसी बात को लेकर तर्क कर सकते हैं वो कुर्तक में नहीं बदलना चाहिए। कुर्तक ही झगड़े की जड़ होता है। साधक और श्रावक को जीवन यापन हेतु जितनी आवश्यकता हो उतना ही इकट्ठा करना चाहिए। साधक को तो भगवान के आदेशानुसार अपने पास ज्यादा कुछ नहीं रखना चाहिए और श्रावक को भी मर्यादा निर्धारित करना चाहिए ताकि हम जीवन में शांति और सुख की अनुभूति कर सकें। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

लोभ पाप का मूल है और सभी पापों का जनक है : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने गुरु मिश्री दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि मनुष्य को जगत का सारा धन मिल जाए तो भी उसकी तृष्णा कम नहीं होती है। लोभ पाप का मूल है और सभी पापों का जनक है। लालच व लालसा मनुष्य की समस्त ईमानदारी को खा जाती है। लोभी व्यक्ति का सारा सुख नष्ट हो जाता है, शान्ति समूल नष्ट हो जाती है। अत्यधिक लोभ में अंबी बनी हुई बुद्धि आपत्तियों के द्वार खोलती हैं। मनुष्य निश्चित ही धन इसलिए नहीं कमाता है कि खाना हैं, पीना है या मात्र जीवन यापन करना है बल्कि वह शायद इसलिए दौड़ता है क्योंकि उसे दुनिया में दूसरों से आगे बढ़ना है। मगर वह यह चिंतन नहीं करता कि इस दौड़ में बड़ों बड़ों के जीवन उजड़ गये और कुछ हाथ में नहीं आया। हाथ में यदि कुछ आया तो केवल मृत्यु। साध्वी श्री जी ने एक प्रेरक दृष्टान्त के माध्यम से समझाया कि घन के प्रति घोर आसक्ति और लालच मनुष्य को इतना पतित कर देता है। साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने श्री उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से अपनी बात रखते हुए कहा कि क्रोध प्रीति का नाश करता है, मान विनयगुण का नाश करता हैं, माया मित्रता का नाश करती हैं लेकिन लोभ सभी सदगुणों का नाश करता हैं। लोभ रुपी कषाय हमारी आत्मा के अन्दर रहे समस्त अच्छाईयों-गुणों का नाशक है। जो सदैव तृष्णा की आग में जलता रहता है उसे कभी भी आत्मिक शांति मिलने वाली नहीं हैं। इंसान धन के लोभ-लालच में फंस कर यह भूल जाता है कि लक्ष्मी का स्वभाव चंचल है। यह दौलत और शोहरत सदैव स्थिर होकर रहने वाली नहीं है। सुख का सबसे श्रेष्ठ साधन है- संतोष । संतोषी मनुष्य अपने जीवन में सदैव सुखी रहता है और तृष्णावान सदैव दुःखी रहता है। अतः व्यक्ति जीवन में संतोष गुण की अपनायें। रविवार को साध्वीद्वय के सान्निध्य में पैसठिया जाप सिद्ध साधना का अनुष्ठान आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

सरल व्यक्ति के जीवन में होता है परमात्मा का वास : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि सर्वज्ञ सर्वदर्शी अरिहन्त परमात्मा हमारी आत्मा के विकास के लिए देशना देते हैं। कृपण व्यक्ति धर्म क्रिया में भी धर्म नहीं कर सकता है, कठोर व्यक्ति कोमलता के गुण को भूल जाता है। हमें छोटे छोटे घरेलू कार्यों में भी आत्म जागृति रखनी है। कुछ भी अच्छा कार्य करने के बाद अपनी बड़ाई नहीं बताकर सरलता में ही रहना चाहिए।

हमारा मन सरल बनेगा तो परमात्मा हमारी आत्मा में बस जाएंगे। हम हमारे भावों से ही कर्म बंधन करते हैं और भावों से ही कर्म निर्जरा कर सकते हैं। हमारे अध्यवसाय और भावना शुद्ध होनी चाहिए। जो व्यक्ति सरल होता है उनके जीवन में धर्म का वास होता है। सरल व्यक्ति इस संसार से आसानी से पार हो जाता है। हमारे जीवन में कठोरता और कोमलता का अवलोकन करने से हमारी आत्मा जागृति को मजबूती मिलेगी।

देहभाव से ऊपर सिद्ध अवस्था का स्वरूप है मिथिला नगरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माहेश्वरी सत्संग समिति के द्वारा चल रही नौदिवसीय रामकथा के छठवें दिन शिवजी का 55 शिवभक्तों ने अभिषेक किया। मुख्य मनोरथी काशीदेवी मोतीचंद बिन्नानी महाराजश्री को सादर व्यासपीठ पर विराजित करवाये तथा प्रवीण माहेष्वरी ने माल्यार्पण किया।

श्रीराम कथा में गुरुवार को श्री सीतारामजी के विवाह का उत्सव मनाया गया। कथा प्रवक्ता श्री धीरेन्द्र शास्त्रीजी महाराज ने बताया कि रामायण में तीन पुरियों का वर्णन है, अयोध्या, मिथिला एवं लंका। यह तीनों पुरी जीवन की तीनों दशाओं को बतलाती है। लंका पुरी संसारी विषयी जीवों का स्थान है, अयोध्या साधकों की नगरी है एवं मिथिला देह भाव को छोड़कर ब्रह्म का अनुभव करने वाले सिद्ध पुरुषों का स्थान है महाराज जनक ब्रह्मज्ञानी हैं और सीता उनकी पुत्री है। ज्ञान का फल ही भक्ति है और सीताजी भक्ति का ही स्वरूप हैं।

शिव धनुष को तोड़ कर रामजी सीता को प्राप्त करते हैं। शिव धनुष पर ब्रह्मता की कसौटी है। संसार का अभिमान लिए कोई जीव उसे तोड़ नहीं सकता। इसलिये किसी भी राजा से वह धनुष नहीं टूटा। सीताजी ने जयमाल रामजी के गले में डाली और मंगल गीत गाये जाने लगे।

सभा स्थल पर सबिता माहेश्वरी, संतोष दम्माणी, हुक्मीचन्द जेठा और दिलीप कोठारी ने व्यवस्था कार्य देखा।

स्वामीश्री निर्मलस्वरुप के सान्निध्य में सनातन चातुर्मास व्रत का आयोजन

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित ईटा अपार्टमेंट्स में जम्मू से पधारे अखिल भारतीय वैदिक धर्मप्रचार आश्रम के संत स्वामी निर्मलस्वरूपजी महाराज के चातुर्मास व्रत का आयोजन 21 जुलाई से चल रहा है, जिसमें सम्पूर्ण श्रावणमास पर्यन्त लोक कल्याण के लिए विभिन्न अनुष्ठानों का भी आयोजन हो रहा है।प्रत्येक श्रावण सोमवार को रुद्राभिषेक, महारुद्र सहस्त्रार्चन आदि अनुष्ठान हो रहे हैं।होते रहेंगे। श्रावण सोमवार को वैदिक विधि के द्वारा काशी से आए डॉ ललित शास्त्री, वेदमूर्ति आचार्य प्रणव शर्मा, आचार्य मनीष शर्मा आदि के मार्गदर्शन में भगवती अन्नपूर्णा सहित भगवान विश्वनाथ तथा शिवपंचायतन का पूजन किया व करवाया जा रहा है। इस मौके पर स्वामी निर्मलस्वरूपजी ने कहा कि आज की पीढ़ी में फैल रही देश, धर्म, समाज, माता, पिता, गुरुजनों एवं पूर्वजों के प्रति घटती आस्था का कारण संस्कारहीनता बताया। उन्होंने कहा कि मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते जंजाल में बच्चे ऐसे फंस चुके हैं कि वास्तविक संसार और संबंधों की उपेक्षा होने से सर्वत्र अनाचार जैसे स्थिति बन रही है। ऐसी अवस्था में माता पिता का यह कर्तव्य बनता है कि वे स्वयं और बच्चों को भी सत्संग से जोड़ें तथा स्वधर्म की शिक्षा दें। यही इस चातुर्मास समारोह का उद्देश्य भी है, जिसमें लगातार दो महीनों तक एक संस्कार प्रवचन श्रृंखला रखी गई है।

जेवाईएस सेवा ट्रस्ट का कवि सम्मेलन 13 अक्टूबर को, तैयारियां शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन युवा संगठन(जेवाईएस) सेवा ट्रस्ट द्वारा 13 अक्टूबर को अम्बेडकर भवन में विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कवि हरिओम पवार, अरुण जैमिनी, जानी बैरागी, अनिल अग्रवंशी, कवियत्री गौरी मिश्रा शामिल होंगे। यह कवि सम्मेलन ट्रस्ट के जीवन संजीवनी, जीवन शिक्षा, जीवन रक्षा के सहयोगार्थ किया जा रहा है। इस कवि सम्मेलन की तैयारियों जोरों पर चल रही है। इसी संदर्भ में ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश धोका, मंत्री सुरेश मांडोत, सहमंत्री रूप कुमट, कोषाध्यक्ष कमल पुनमिया एवं जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत एवं सज्ञनराज मेहता, महेंद्र टेबा एवं राजेश चावत ने कवि सम्मेलन के मुख्य प्रायोजक गुरु पुनवाणी के निदेशक संजय बैद से मुलाकात कर उनके सहयोग के लिए उनका सम्मान किया। बैद ने संगठन व ट्रस्ट के कार्यों की सराहना की।

स्वामीश्री निर्मलस्वरुप के सान्निध्य में सनातन चातुर्मास व्रत का आयोजन

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित ईटा अपार्टमेंट्स में जम्मू से पधारे अखिल भारतीय वैदिक धर्मप्रचार आश्रम के संत स्वामी निर्मलस्वरूपजी महाराज के चातुर्मास व्रत का आयोजन 21 जुलाई से चल रहा है, जिसमें सम्पूर्ण श्रावणमास पर्यन्त लोक कल्याण के लिए विभिन्न अनुष्ठानों का भी आयोजन हो रहा है।प्रत्येक श्रावण सोमवार को रुद्राभिषेक, महारुद्र सहस्त्रार्चन आदि अनुष्ठान हो रहे हैं।होते रहेंगे। श्रावण सोमवार को वैदिक विधि के द्वारा काशी से आए डॉ ललित शास्त्री, वेदमूर्ति आचार्य प्रणव शर्मा, आचार्य मनीष शर्मा आदि के मार्गदर्शन में भगवती अन्नपूर्णा सहित भगवान विश्वनाथ तथा शिवपंचायतन का पूजन किया व करवाया जा रहा है। इस मौके पर स्वामी निर्मलस्वरुपजी ने कहा कि आज की पीढ़ी में फैल रही देश, धर्म, समाज, माता, पिता, गुरुजनों एवं पूर्वजों के प्रति घटती आस्था का कारण संस्कारहीनता बताया। उन्होंने कहा कि मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते जंजाल में बच्चे ऐसे फंस चुके हैं कि वास्तविक संसार और संबंधों की उपेक्षा होने से सर्वत्र अनाचार जैसे स्थिति बन रही है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.